डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

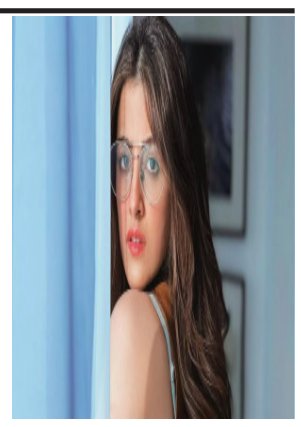

PG-8

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः-कृति सेनन की बहन नूपुर स्विमिंग पूल में बिकिनी पहन एन्जॉय करती आई नजर

वर्ष -08 अंक -214 | प्रयागराज,शनिवार 12 नवंबर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने कांग्रेस और आप पर बोला हमला धर्म को लेकर की गई विवादास्पद टिप्पणियों पर साधा निशाना

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा धर्म को लेकर की गई विवादास्पद टिप्पणियों पर फिर से हमला बोला। भाजपा ने इन नेताओं पर हमला करते हुए कहा कि उनके लिए धर्मनिरपेक्षता का मतलब हिंदू धर्म के प्रति घृणा व्यक्त करना है। भाजपा के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने 20 के लोगो में कमल के इस्तेमाल पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इसे कांग्रेस सरकार के दौरान राष्ट्रीय फूल के रूप में चुना गया था सुधांशु त्रिवेदी ने 20 के लोगो में कमल के प्रतीक के इस्तेमाल के बारे में कांग्रेस के बयान को हिंदू धर्म का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि कमल का फूल माता लक्ष्मी और सरस्वती से जुड़ा है। उन्होंने

कहा, 'विपक्षी दल को पता होना चाहिए कि कमल राष्ट्रीय फूल है और इसे कांग्रेस सरकार ने ही चुना था। इसलिए, इसके नेताओं की वर्तमान पीढ़ी को अपने पूर्वजों के फैसले के लिए कुछ सम्मान करना चाहिए।बता दें कि कांग्रेस पार्टी के कर्नाटक कार्यकारी अध्यक्ष सतीश जारकीहोली द्वारा कथित रूप से टिप्पणी किए जाने के बाद कि हिंदू शब्द फारसी से लिया गया था और इसका अर्थ गंदा होता है, त्रिवेदी ने राहुल गांधी से कांग्रेस की साख जानने की कोशिश की। साथ ही भाजपा ने छत्तीसगढ़ के राजनंदगांव में एक बड़े पैमाने पर धर्मांतरण को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उस धर्मांतरण कार्यक्रम में कांग्रेस के सिटी मेयर ने कथित तौर पर भाग लिया था।भाजपा के प्रवक्ता ने पूछा, 'राहुल जी अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान लोगों के कानों में कौन सा मंत्र फूंक रहे हैं। अगर वोट मिले तो हिंदू भावनाओं को आहत करने में संकोच न करें' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने कभी हिंदुओं को आतंकवादी कहा था, और अब आप के नेता भी हिंदुओं की भावनाओं को आहत कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने बेंगलुरु एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का कीया शुभारंभ

(आधुनिक समाचार सेवा)

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 का शुभारंभ करेंगे। करीब 2.5 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस

टर्मिनल के गेट लाउंज में 5,932 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होगी। इसमें 22 कांटेक्ट गेट, 15 बस गेट व 17 सिक्यूरिटी चेक लेन होंगे। इसे टर्मिनल-इन-ए-गार्डन की अवधारणा के साथ बनाया गया है, जहां यात्रियों को सुखद अहसास होगा। एयरपोर्ट के एक अधिकारी के अनुसार यहां चारों तरफ हरियाली होगी। इसको कुछ इस तरह विकसित किया गया कि यात्रियों को टहलते समय ऐसा लगेगा कि वे वाटिका की सैर कर रहे हैं टर्मिनल 2 के पहले चरण में सालाना 2.5 लाख यात्रियों की क्षमता है। केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि टर्मिनल को विकसित करने समय हैंगिंग गार्डन की अवधारणा को भी ध्यान में रखा गया है। इसे डिजाइन करते समय कर्नाटक के समृद्ध इतिहास व सांस्कृतिक विरासत का भी ख्याल रखा गया है। इसका निर्माण नवीनतम प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक सामग्री के साथ बनाया गया है। यह टर्मिनल होगा सतत विकास के लिए एक नया दृष्टिकोण स्थापित करेगा। वहीं, दूसरी तरफ पीएम मोदी आज मैसूर से चेन्नई जाने वाली वंदे भारत ट्रेन को भी बेंगलुरु में हरी झंडी दिखाएंगे। यह दक्षिण भारत की पहली सेमी-हाई स्पीड ट्रेन होगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार बेंगलुरु से चेन्नई के लिए शताब्दी एक्सप्रेस, बृंदावन एक्सप्रेस और चेन्नई मेल जैसी कई ट्रेनें हैं। हालांकि स्पीड और सुविधाओं के मामले में इस लाइन पर अपने आप में एक अनोखी ट्रेन होगी रेलवे अधिकारी ने बताया कि यह ट्रेन 160 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चल सकती है। ट्रेन चेन्नई से बेंगलुरु का सफर सिर्फ 3 घंटों में पूरा करने की क्षमता रखती है। रेलवे ने बताया कि चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री ने वंदे भारत ट्रेन में इंटेलिजेंट ब्रेकिंग सिस्टम लगाया है, जिससे ट्रेन की स्पीड को बेहतर ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। रेलवे ने कहा कि इस ट्रेन के सभी कोच में आटोमेटिक दरवाजे, विजुअल इंफार्मेशन सिस्टम , वाई-फाई सिस्टम और आरामदायक सीट की सुविधाएं है।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को विश्वविद्यालय के चांसलर पद से हटाया गया, सरकार ने किया नियमों में बदलाव

(आधुनिक समाचार सेवा)

तिरुवनंतपुरम। केरल की वाम लोकतान्त्रिक मोर्चा सरकार ने केरल के कलामंडलम डीम्ड विश्वविद्यालय के चांसलर के पद से राज्य के गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान को हटा दिया है। सरकार ने उनको इस पद से हटाने के लिए विश्वविद्यालय के नियमों में बदलाव किया है। आरिफ मोहम्मद खान को विश्वविद्यालय के चांसलर पद से हटाए जाने के बाद अब यह जिम्मेदारी कला और संस्कृति से जुड़े अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति को सौंपी जाएगी। केरल सरकार ने इससे पहले कहा था कि वह राज्य में विश्वविद्यालयों के शीर्ष पदों पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को नहीं देखना चाहती है। इसी के मद्देनजर पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार ने कला और संस्कृति के डीम्ड विश्वविद्यालय के नियमों में संशोधन करने का आदेश जारी किया है। डीम्ड विश्वविद्यालय के संशोधित नियमों में यह भी कहा गया है कि केरल कलामंडलम की शासन प्रणाली और मैनेजमेंट स्ट्रक्चर राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार ही होगी। मालूम हो कि केरल सरकार की राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से विश्वविद्यालयों की कार्य प्रणाली को लेकर नोक-झोंक चल ही रही थी। इसी बीच केरल सरकार ने यह आदेश दिया है। हालांकि केरल कलामंडलम यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के अनुसार आरिफ मोहम्मद खान फिलहाल चांसलर बने हुए हैं। राज्यपाल ने कुलपतियों से मांगा था इस्तीफा बता दें कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने केरल के 9 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से कुछ दिनों पहले इस्तीफा मांगा था। राज्यपाल ने सभी कुलपतियों से सोमवार 11.30 बजे से पहले इस्तीफा देने का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद से ही केरल सरकार और राज्यपाल के बीच तल्खियां बढ़ गई थी। राज्यपाल के निर्देश के बावजूद कुलपतियों ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने आरोप लगाया था कि कुलपतियों को निष्पक्ष न्याय से वंचित किया गया है।

ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग की सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर में सर्वे के दौरान मिले शिवलिंग की सुरक्षा के मामले में शुक्रवार को तीन बजे सुनवाई करेगा। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने आज कोर्ट में मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि शिवलिंग की सुरक्षा का अंतरिम आदेश 12 नवंबर को समाप्त हो रहा है। गुरुवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति हेमा कोहली और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई के लिए शुक्रवार को वह एक पीठ का गठन करेंगे।17 मई को सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश द्वारा उस क्षेत्र की रक्षा करने का निर्देश दिया जहां 'शिवलिंग' पाया गया था और नमाज के लिए मुसलमानों तक पहुंच प्रदान की गई थी ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी प्रकरण में शुक्रवार को जिला जज डा. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में सुनवाई होगी। पिछली तिथि पर अदालत में सुनवाई के दौरान वादी पक्ष की ओर से ज्ञानवापी परिसर में एडवोकेट कमिश्नर की कमीशन की कार्यवाही आगे बढ़ाने की मांग पर मुस्लिम पक्ष ने आपत्ति दाखिल की थी। इस पर मंदिर पक्ष की ओर से प्रति आपत्ति दाखिल की जानी है।

अभिनेता सुशांत सिंह महाराष्ट्र में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में हुए शामिल

नांदेड़। अभिनेता सुशांत सिंह गुरुवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए। वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ इस यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्यार और सद्भाव का रास्ता काफी मुश्किल होता है। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए। गांधी रास्ते में कई बार रुके। उन्होंने इंतजार कर रही भीड़ से हाथ मिलाया और बच्चों के साथ फोटो भी खिंचवाईं। बता दें कि कांग्रेस और राकांपा ने 1999 से 2014 तक महाराष्ट्र में 15 वर्षों तक सत्ता संयुक्त रूप से संभाली थी। दोनों दल शिवसेना के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार में भी सहयोगी थे, जो नवंबर 2019 से इस साल 29 जून तक सत्ता में थी। यह जून में शिवसेना के भीतर विद्रोह के बाद टूट गई थी। सोमवार रात को महाराष्ट्र में प्रवेश करने वाली भारत जोड़ो यात्रा नांदेड़ शहर, देगलुर और अर्धपुर क्षेत्रों को कवर करेगी और शुक्रवार को हिंगोली के लिए आगे बढ़ेगी।

राकांपा के राज्य प्रमुख जयंत पाटिल, बारामती से सांसद सुप्रिया सुले और पार्टी नेता जितेंद्र आव्हाड राहुल गांधी के साथ पैदल चले। कांग्रेस की पदयात्रा गुरुवार को देगलुर नाका से शुरू हुई। लोगों का अभिवादन करने के लिए राहुल

नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के फैसले का सरकार ने किया स्वागत, भगोड़े कारोबारी को जल्द लाया जा सकता है भारत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारत सरकार ने भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को भारत प्रत्यर्पित करने के फैसले की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील को खारिज करने के ब्रिटिश हाई कोर्ट के फैसले का हम स्वागत करते हैं। अरिंदम बागची ने गुरुवार को कहा कि हम अपने प्रयास जारी रखते हुए नीरव मोदी को भारत वापस लाकर ही रहेंगे। साथ ही अन्य भगोड़े आर्थिक घोटालेबाजों को भी कानूनी प्रक्रिया के जरिये दंडित करेंगे। भारत एक अरसे से ऐसे आर्थिक घोटालेबाजों को कानूनी दायरे में दंडित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विदेश मंत्रालय के

प्रवक्ता ने कहा कि विगत सोमवार को ब्रिटेन की अदालत ने हथियार डीलर संजय भंडारी को मनी लांड्रिंग के मामले में भारत प्रत्यर्पित करने की अपील को भी स्वीकार कर लिया है। एक अन्य अदालत ने भी प्रत्यर्पण के मामले में भारत के पक्ष में फैसला सुनाया है। उन्होंने कहा कि यह आमतौर पर लंबी प्रक्रिया होती है, लेकिन हम वह सभी प्रयास कर रहे हैं जिससे इन सभी आर्थिक भगोड़ों को भारत वापस लाकर देश की न्याय प्रणाली का सामना कराया जाए। उल्लेखनीय है कि 51 वर्षीय नीरव मोदी पर पीएनबी समेत कई भारतीय बैंकों का 13,500 करोड़ रुपये का कर्ज नहीं चुकाने का आरोप है। इसके अलावा, उस पर भारत में मनी लांड्रिंग का भी मामला चल रहा है।

एनएसए अजित डोभाल को नेशनल डिफेंस कालेज ने किया 'स्क्राल आफ आनर' से सम्मानित

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज ने 'स्क्राल आफ आनर' से सम्मानित

किया है। डोभाल ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में सेना के प्रमुख संस्थान का दौरा करने पर पुरस्कार हासिल किया। डोभाल एनडीसी के पूर्व छात्र हैं। एनएसए ने छात्रों को किया संबोधित सेना के संस्थान के 62वें कोर्स का हिस्सा रहे छात्रों को अपने संबोधन में अजित डोभाल ने 'इंडियॉ2050: पोटेंशियल एंड प्रासंगिकता' विषय पर भी बात की। उन्होंने देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था और शक्तिशाली मानव पूंजी के कारण भारत के उज्ज्वल भविष्य को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत भू-राजनीतिक स्थिरता और सुरक्षा देने वाला देश है।इससे पहले राज्य स्थापना दिवस पर 2022 के उत्तराखंड गौरव सम्मान पुरस्कार की घोषणा की गई थी। उत्तराखंड सरकार ने इसके लिए राज्य के पांच विभूतियों के नामों की घोषणा की थी। इनमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, पहले चीफ आफ डिफेंस स्टाफ रहे जनरल स्व बिपिन रावत, फिल्म सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी, प्रसिद्ध गीतकार स्व गिरीश चंद्र तिवारी गिर्दा और साहित्यकार स्व वीरेन डंगवाल के नाम शामिल हैं।

जयशंकर ने कहा- सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति हुए बिना सामान्य नहीं हो सकते भारत-चीन संबंध

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि चीन के साथ भारत के रिश्ते तब तक सामान्य नहीं हो सकते, जब तक सीमावर्ती इलाकों में शांति स्थापित नहीं हो जाती और

इस बारे में उस देश को दिए गए नई दिल्ली के संकेतों में कोई अस्पष्टता नहीं है। जयशंकर ने एक मीडिया हाउस के कार्यक्रम में कहा, 'जब तक सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति का माहौल नहीं होगा, जब तक समझौतों का पालन नहीं किया जाता और यथास्थिति को बदलने के एकतरफा प्रयास पर रोक नहीं लगती तब तक संबंध सामान्य नहीं हो सकते और न ही सामान्य हैं। गलवन घाटी में झड़पों पर उन्होंने कहा, '2020 में जो हुआ वह एक पक्ष का प्रयास था और हम जानते हैं कि वह कौन था, जो समझौते से अलग हटा था और यह मुद्दा सबसे अहम है।' जयशंकर ने कहा, 'क्या हमने तब से प्रगति की है कुछ मायनों में, हां। टकराव वाले कई बिंदु थे। उन बिंदुओं पर सेनाएं खतरनाक रूप से तैनात थीं, मुझे लगता है कि उनमें से कुछ मुद्दों को समान और आपसी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हल कर लिया गया है। लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर अभी काम करने की जरूरत है। महत्वपूर्ण यह है कि हम ढूंढ रहें और आगे बढ़ते रहें।' उन्होंने उम्मीद जताई कि चीन को अहसास होगा कि वर्तमान स्थिति उसके भी हित में नहीं है। जयशंकर ने यूक्रेन-रूस युद्ध को वार्ता के जरिये सुलझाने की आवश्यकता को दोहराया। साथ ही कहा कि इस बारे में बात करना जल्दबाजी होगी कि क्या भारत उनके बीच शांति कायम करने में भूमिका निभा सकता है। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश को रेखांकित किया कि आज का युग युद्ध का नहीं है। उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' किसी निर्णय को प्रभावित करने की वास्तविक क्षमता नहीं रखता, लेकिन वह युद्ध के प्रभाव का खामियाजा महसूस कर रहा है।

रूसी राजदूत ने कहा- यूक्रेन छोड़ने वाले भारतीय छात्र रूस में पढ़ाई रख सकते हैं जारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

चेन्नई। यूक्रेन संघर्ष के कारण भारत लौटे मेडिकल छात्र अब रूस में अपनी पढ़ाई कर सकते हैं। यूक्रेन और रूस में मेडिकल पाठ्यक्रम एक जैसे ही है, जिस कारण से भारतीय

छात्र अपनी पढ़ाई रूस में जारी रख सकते हैं। रूसी महावाणिज्यदूत ओलेग अवदीव ने चेन्नई में कहा, 'यूक्रेन छोड़ने वाले भारतीय छात्र रूस में अपनी शिक्षा जारी रख सकते हैं, क्योंकि चिकित्सा पाठ्यक्रम लगभग समान है। वे लोगों की भाषा जानते हैं, जैसे कि यूक्रेन में अधिकांश लोग रूसी बोलते हैं। हम उनका रूस में स्वागत करते हैं।' बता दें कि फरवरी 2022 के अंत में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तो भारतीय छात्रों को यूक्रेन से भारत ले जाया गया। इस कारण से हजारों भारतीय मेडिकल छात्रों का भविष्य अधर में है। रूसी तेल निर्यात पर एक सवाल के जवाब में, रूसी राजनयिक ने कहा कि इस साल की शुरुआत से रूसी तेल का निर्यात 2 से बढ़कर 22 प्रतिशत हो गया है। ओलेग अवदीव ने कहा, 'इस साल की शुरुआत से, रूसी तेल में निर्यात 2 से 22 पीसी तक बढ़ गया है। यह एक बहुत ही नाटकीय वृद्धि है और अब रूस ने इराक और सऊदी अरब को तेल के प्रमुख उत्पादकों के रूप में विस्थापित कर दिया है।' अवदीव ने रूसी तेल आयात पर जयशंकर की टिप्पणी की भी सराहना की, जिसमें कहा गया था कि भारत सरकार एक जिम्मेदार सरकार है और इसे भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की देखभाल करनी है। विदेश मंत्री जयशंकर ने मंगलवार को भारत और रूस के बीच गहरे संबंधों को दोहराया। उन्होंने कहा कि रूस के साथ भारत के संबंधों ने इसके लाभ के लिए काम किया है और नई दिल्ली इसे जारी रखना चाहेगी। रूसी राजनयिक ने कहा, 'जहां तक ??छात्रों का सवाल है, छात्र पढ़ाई के लिए रूस जाते रहते हैं। यह एक अच्छा रुझान है। अधिक से अधिक छात्र रूस में छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि हर साल, कई भारतीय छात्र चिकित्सा और अन्य विशिष्ट पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने के लिए यूक्रेन और रूस जाते हैं। बता दें कि रूसी सेना ने 24 फरवरी को यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू किया था, जिसके तीन दिन बाद मास्को ने यूक्रेन के अलग-अलग क्षेत्रों - डोनेट्स्क और लुहान्स्क को स्वतंत्र क्षेत्र के रूप में मान्यता दी थी।

प्रयागराज बहराना सी ओ ऑफिस गेट के सामने 50 वर्षीय वृद्ध को ट्रक ने कुचला

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। थाना कीडगंज क्षेत्र अंतर्गत बहराना सी ओ ऑफिस के गेट के सामने 50 वर्षीय युद्ध

सड़क पार करते समय ट्रक की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई मौके पर थाना कीडगंज प्रभारी राममूर्ति यादव एवं बहराना चौकी इंचार्ज राजू कृष्ण एवं चौकी इंचार्ज बलवंत यादव मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा ट्रक और ट्रैक के ड्राइवर को गिरफ्तार कर थाने लाया गया जानकारी के अनुसार मृतक थाना कीडगंज के अंतर्गत निवासी तलाब नवल राय नया बहराना का रहने वाला है जिसकी उम्र लगभग 50 वर्ष नाम बबलू कुशवाहा बताया जा रहा है मृतक ट्राली चालक बताया जा रहा है।

पहले लगाया गया ताला छात्रों ने बृहस्पतिवार को तोड़ दिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में कटरा की ओर से प्रवेश के लिए

बने मेन गेट पर कुछ दिनों पहले लगाया गया ताला छात्रों ने बृहस्पतिवार को तोड़ दिया। मुस्लिम बोर्डिंग हॉस्टल के छात्रों को गेट पर ताला लगाए जाने पर आपत्ति है। छात्र देर रात तक गेट के बाहर धरने पर बैठे रहे और इविवि प्रशासन को ताला नहीं लगाने दिया। विज्ञान संकाय में प्रवेश के लिए दो मेन गेट हैं। एक गेट कटरा की ओर है और दूसरा गेट चंद्रशेखर आजाद पार्क के सामने हैं। इविवि परिसर के बाहर से इन दोनों गेट के बीच तकरीबन दो किमी की दूरी है। इविवि प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर कुछ दिनों पहले कटरा की तरफ वाले गेट पर ताला लगा दिया। दिन के वक्त केवल साइकिल स्टैंड के संचालन की अनुमति दी गई है और बाकी वाहनों का प्रवेश इस गेट से प्रतिबंधित कर दिया गया है। रात के वक्त गेट पूरी तरह से बंद कर दिया जाता है। छात्रों का कहना है कि रात के वक्त अगर चाय-नाश्ता करना है या मार्केट से कुछ खरीदना है तो वह दो सौ मीटर पैदल चलकर कटरा पहुंच जाते थे, लेकिन गेट बंद होने के कारण अब उन्हें चंद्रशेखर आजाद पार्क के सामने वाले गेट से बाहर जाना पड़ता है। ऐसे में काफी दिक्कत हो रही है। छात्रों का कहना है कि इस गेट को कभी बंद नहीं किया गया। हॉस्टल के छात्र इसके विरोध में बृहस्पतिवार दोपहर कटरा के तरफ वाले गेट पर धरने पर बैठ गए और गेट का ताला तोड़ दिया। इविवि प्रशासन को सूचना मिली तो चीफ प्रॉक्टर प्रो. हर्ष कुमार पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। छात्रों को समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन वे नहीं माने। छात्र देर रात तक धरने पर बैठे रहे और इविवि प्रशासन को गेट पर ताला नहीं लगाने दिया। बुधवार को भी कुछ लोगों ने ताला तोड़ दिया था। वहां दोबारा ताला लगाया गया, जिसे प्रदर्शनकारियों ने बृहस्पतिवार को फिर से तोड़ दिया। मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। गेट बंद करने का निर्णय स्टाफ एवं छात्रों की सुरक्षा के लिए हुआ है। हमने गेट बंद रखने में जिला प्रशासन से मदद मांगी है। बीते दिनों विज्ञान संकाय में महिला शिक्षकों से दुर्व्यवहार की कुछ घटनाएं भी हुईं हैं, जिसके मद्देनजर गेट बंद करने का निर्णय लिया गया था।

शहर से जुड़े हैं हवाला कारोबार के तार, मुख्तार के एक रिश्तेदार की संपत्ति खंगाल रही ईडी

देर रात करेली, अकबरपुर इलाके में एक कारोबारी के घर हुई छापेमारी, परिवार वालों से 11 घंटे तक लंबी पूछताछ

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। करेली के अकबरपुर इलाके में लकड़मण्डी के पास ईडी

अफसरों ने एक टायर कारोबारी के घर छापामारी कर 11 घंटे तक लंबी पूछताछ की। एक महिला अधिकारी समेत पांच अफसरों की टीम लखनऊ से आई थी। पुलिस अधिकारियों से संपर्क कर करेली थाने की फोर्स लेकर ईडी टीम ने टायर कारोबारी के यहां छापामारी कर तलाशी ली। बैंक एकाउंट से संबंधित दस्तावेज जांचे और परिवार के सदस्यों से अलग-अलग बातचीत की। मामला हवाला रैकेट और बिट क्वाइन करेंसी से जुड़ा है। तालिमनाडु के मदुरैई में कुछ दिन पहले करोड़ों के हवाला कारोबार का भंडाफोड़ होने पर मुकदमा दर्ज हुआ था। बिट क्वाइन करेंसी को लेकर एजेंसी चलाने वाले एक शख्स का नाम उसमें जुड़ा जो करेली का रहने वाला है। उसी शख्स के रिश्ते टायर कारोबारी के बेटे से हैं। इसी मामले में पूछताछ के लिए टायर कारोबारी के घर ईडी अफसरों की टीम पहुंची। असल में टायर कारोबारी का एक बेटा नेट बैंकिंग को लेकर हेरफेर में पहले भी फंसा था। अब हवाला के रुपये को लेकर नेट बैंकिंग में फिर हेरफेर पकड़ा गया तो लखनऊ से ईडी की टीम जांच को पहुंच गई। मामले में तामिलनाडु की जांच टीम ने ईडी से मदद मांगी थी। तमिलनाडु से एक अधिकारी लखनऊ आए तो ईडी की टीम उन्हें लेकर प्रयागराज पहुंच गई। दोपहर करीब ग्यारह बजे अकबरपुर लकड़मंडी के टायर कारोबारी के घर ईडी की टीम पहुंची थी। ईडी अफसर उस परिवार से देर रात तक पूछताछ करते रहे। इस दौरान परिवार के किसी सदस्य को घर से बाहर नहीं जाने दिया गया।

मनीष गुप्ता नाम के कारोबारी के यहाँ पड़ा छापा

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। भारी मात्रा में नकली डीएपी खाद बरामद हजारों बोरी नकली खाद बरामद नेपाल तक जाती थी इस कारखाने से बनी खाद फर्म का नाम गोविंद इंडस्ट्रीज प्रशासन की नाक के नीचे कई सालों से फल फूल रहा था नकली खाद का अवैध कारोबार उद्योग महाप्रबंधक का बगल में ही है आफिस हर साल चेकिंग के बाद जारी होता है रिनीवल प्रमाणपत्र राजापुर चौकी मुश्किल से 100 मीटर दूरत्।

फूलपुर सांसद केशरी देवी पटेल को धमकी देकर रंगदारी मांगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। फूलपुर सांसद केशरी देवी पटेल को धमकी देकर रंगदारी मांगने वाले आरोपी सुग्रीव कुमार वर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शंकरगढ़ के नौढिया गांव का निवासी सुग्रीव इस समय मुंबई में रहकर काम करता है। वह शराब पीने का आदी है। पुलिस की पूछताछम में बताया कि उसे पैसों की सख्त जरूरत थी। इसी चक्कर में उसने सांसद को दो बार फोन किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है।बता दें कि फूलपुर सांसद को धमकी देने के मामले में कर्नलगंज पुलिस की ओर से मुकदमा दर्ज किया गया था और आरोपी की खोजबीन की जा रही थी। रुपये न मिलने पर उसने केशरी देवी को टिकट कटवाने की भी धमकी दी थी। पैसा न देने और पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी।

संजय नगर अल्लापुर में डेंगू बुखार से दूसरी मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज।संजय नगर अल्लापुर में डेंगू बुखार से दूसरी मौत के रूप में समाजसेवी तारा देवी की डेंगू बुखार से में हुई मृत्यु पर आक्रोश जताया और शोक सभा किया । दिनांक 11 नवम्बर 2022? को संजय नगर अल्लापुर की नेता एवं समाज सेवी तारा देवी का डेंगू से अस्पताल में 7 .30 बजे हुई मृत्यु हो गई, जिनकी उम्र लगभग 68?वर्ष थी । इसके पहले भी संजय नगर अल्लापुर में डेंगू से घर पर ही फूलचंद ?जी की मृत्यु हो चुकी हैं । 3 बजे अपरान्ह शवदाह गृह दारागंज में दाह संस्कार किया गया । मृत्यु के उपरांत संजय नगर अल्लापुर के नागरिकों में शोक का लहर ब्याप्त हो गया है और अपरान्ह 02 बजे संजय नगर अल्लापुर में शोक सभा हुई। शोक सभा में पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह पूर्व वरिष्ठ पार्षद शिवसेवक सिंह , समाजसेवी अनुराधा ने कहा कि तारा देवी संजय नगर ,एल आई सी व अन्य झोपड़ पट्टी के गरीबों के लिए लड़ने वाली तेज तर्राक महिला नेता थी तारा देवी के नेतृत्व में झोपड़ पट्टी में रहने वाले गरीबों में स्मैक , गांजा व अन्य नशा का ब्यापार करने वालों के खिलाफ सफल आंदोलन चलाया गया था , नशे की पुड़िया बेचने

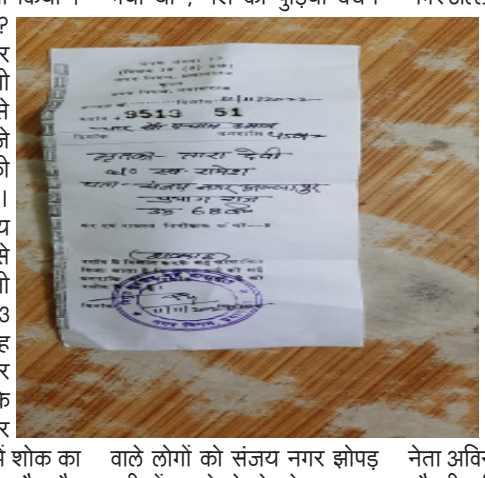

वाले लोगों को संजय नगर झोपड़ पट्टी में घुसने से रोकने का काम किया था ,उसी समय तारा देवी को जान से मारने के लिए उनपर बम से हमला हुआ था जिसमें बाल बाल बच गई थी , नशा के चपेट में आ चुके संजय नगर झोपड़ पट्टी के बच्चों को सुधारने तथा नशा का ब्यापार बंद कराने हेतु जेल भेजने का भी काम किया गया था, उसी समय से तारा देवी को संजय नगर झोपड़ पट्टी अल्लापुर के लोग अपना नेता मानते हैं।तारा देवी के द्वारा जनहित में किये गये त्याग को भुलाया नहीं जा सकता है। संजय नगर अल्लापुर की महिलाओं ने कहा कि हम लोग अनाथ हो गए हैं तारा देवी हमारी नेता थी सबके लिए हमेशा लड़ती थी । अंत में दो मिनट मौन रहकर समाज सेवी एवं संजय नगर अल्लापुर की नेता श्रीमती तारा देवी को श्रद्धांजलि दी गई।शोक सभा में मुख्य रूप पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह पूर्व वरिष्ठ पार्षद शिवसेवक सिंह समाजसेवी अनुराधा, श्रीमती किरन मिश्रा, सीटू नेता अविनाश मिश्रा, अनंत कुमार चौधरी , रिंकू यादव शिखर सिंह, अश्वनी कुमार एडवोकेट, श्रीमती मन्ना, कलावती, फुलकली दिनेश कुमार, संजय , श्रीमती बीना , मनीषा , अमरावती , मोती लाल , आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे । शिवसेवक सिंह पूर्व वरिष्ठ पार्षद एवं संयोजक नागरिक संघर्ष मोर्चा पय़ागराज।

माफिया अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन लड़ेंगी महापौर का चुनाव

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। आईजी पर फिर लगाया गंभीर आरोपबाहुबली माफिया और पूर्व सांसद अतीक

अहमद ने प्रयागराज महापौर का चुनाव लड़ने की घोषणा की है। कहा कि वह बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगी और इसके लिए शीघ्र ही मायावती से मिलेंगी। यदि मायावती राजी होती हैं तो वह एआईएमआईएम के गठबंधन के साथ चुनाव मैदान में उतरेंगी। बाहुबली माफिया और पूर्व सांसद अतीक अहमद ने प्रयागराज महापौर का चुनाव लड़ने की घोषणा की है। कहा कि वह बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगी और इसके लिए शीघ्र ही मायावती से मिलेंगी। यदि मायावती राजी होती हैं तो वह एआईएमआईएम के गठबंधन के साथ चुनाव मैदान में उतरेंगी। शुक्रवार को प्रेस क्लब में वह प्रेसवार्ता को संबोधित कर रही थी। उन्होंने प्रयागराज के पुलिस महानिरीक्षक पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए। कहा कि आईजी के द्वारा उनके परिवार को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है।

इस माह जारी हो सकता है आरओ/एआरओ का रिजल्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। 354 पदों पर होनी है भर्तीआरओ/एआरओ की प्रारंभिक परीक्षा पांच दिसंबर 2021 को दो सत्रों में प्रदेश के 22 जिलों के 1214 केंद्रों में आयोजित की गई थी।

आरओ/एआरओ के 354 पदों पर भर्ती के लिए 559155 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए थे। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ)-2021 का अंतिम चयन परिणाम इसी माह जारी किए जाने की तैयारी है। आरओ/एआरओ के 354 पदों पर भर्ती होनी है। आरओ/एआरओ की प्रारंभिक परीक्षा पांच दिसंबर 2021 को दो सत्रों में प्रदेश के 22 जिलों के 1214 केंद्रों में आयोजित की गई थी। आरओ/एआरओ के 354 पदों पर भर्ती के लिए 559155 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए थे। इनमें से 274702 अभ्यर्थी प्रारंभिक परीक्षा में शामिल हुए थे। आयोग ने 29 जनवरी 2022 प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया था, जिसमें 4830 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए सफल घोषित किया गया था। इसके बाद आयोग ने मुख्य परीक्षा का आयोजन कराया और मुख्य परीक्षा के आधार पर एआरओ पद के अभ्यर्थियों का टाइप टेस्ट भी करा दिया। टाइप टेस्ट के बाद आयोग ने उन अभ्यर्थियों से आवेदन भी मांगे, जिनका चयन किसी दूसरी परीक्षा में हो चुका है और अब वे आरओ/एआरओ में अपना अभ्यर्थी रखना नहीं चाहते हैं। आयोग को 14 आवेदन मिले हैं और इस वजह से अन्य अभ्यर्थियों के लिए चयन के अवसर भी बढ़ गए हैं। आयोग को अब अंतिम चयन परिणाम जारी करना है। सूत्रों का कहना है कि परिणाम लगभग तैयार किया जा चुका है और माह किसी भी दिन अंतिम चयन परिणाम जारी किया जा सकता है। इससे पूर्व आयोग ने वर्ष 2017 में आरओ/एआरओ के 809 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। अब पांच साल बाद आरओ/एआरओ के पदों पर भर्ती होगी।

बलिया के स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर में ज्ञानकुंज के बच्चों ने किया उम्दा प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)

बलिया। भारत स्काउट एवम गाइड उत्तर प्रदेश के निर्देशन में संचालित पांच दिवसीय तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जननायक प्रशिक्षण संस्थान मिड्ढा में किया गया। इसमें विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने भाग लिया। उक्त कार्यक्रम में एक बार फिर ज्ञानकुंज एकेडमी बंशीबाजार के बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया।प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन गुरुवार को सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में ज्ञानकुंज एकेडमी के पल्लवी (कैप्टन टीम ए) को प्रथम, अमन मद्धेशिया (कैप्टन टीम बी) को द्वितीय तथा भरत यादव व अनामिका तिवारी (कैप्टन टीम सी) को तृतीय स्थान पर रहे।विद्यालय की प्रधानाचार्या सुधा पाण्डेय ने बच्चों की सफलता पर बधाई देते हुए कहा

कि यह अनुशासन व कुछ नया करने की जिज्ञासा का परिणाम है। प्रबंधक डॉ0 देवेंद्र सिंह ने शारीरिक प्रशिक्षक कैप्टन ऋतु सिंह को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। विद्यालय के अध्यक्ष ज्योति स्वरूप पाण्डेय विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस मौके पर उप प्रधानाचार्या शीला सिंह, शारीरिक प्रशिक्षक रविंद्र प्रताप सिंह, मनोज पाण्डेय समेत अन्य शिक्षक भी मौजूद रहे।

गोवंश के हरे चारे के लिए नेपियर घास सर्वोत्तम विकल्पः डाक्टर रक्षिता सिंह

आयर गोशाला में नेपियर घास लगाई गई

(आधुनिक समाचार सेवा)

हरहुआ/ वाराणसी। बीडीओ हरहुआ डा0 रक्षिता सिंह के निर्देश पर आज आयर गोआश्रय केंद्र मे नेपियर घास की रोपाई की गई। इस अवसर पर बीडीओ हरहुआ डा0 रक्षिता सिंह ने कहा कि गोशालाओं मे संरक्षित गोवंश के लिएहरे चारे के प्रबंध मे आ रही कठिनाई को देखते हुए शासन द्वारा नेपियर घास की रोपाई के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए हैं।वस्तुतः हरे चारे के लिए नेपियर घास ही सर्वोत्तम विकल्प है। मौके पर एडीओ सहकारिता अवधेश सिंह और एडीओ पंचायत मयंक मोहन गौड़ द्वारा अपने हाथो से घास रोपाई के कार्य का प्रतीक रूप से शुभारंभ किया। कार्य स्थल पर पंचायत सचिव ओमप्रकाश, ग्राम प्रधान सूर्यप्रकाश मौर्य भीम, रोजगारसेवक सोनखर प्रसाद व अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सदर, रसड़ा व सिकंदरपुर में सर्वाधिक जल रही पराली निगरानी में उड़नदस्ता टीम

(आधुनिक समाचार सेवा)

बलिया। धान की कटाई के बाद किसान अपने खेतों को जल्द खाली करने के लिए पराली जला रहे हैं, इससे पर्यावरण को चोट पहुंच रही

है। खेतों की उर्वरा शक्ति भी कमजोर पड़ रही, इसके बावजूद किसान नहीं मान रहे हैं। देखें तो पराली जलाने में रसड़ा, सिकंदरपुर और सदर तहसील के किसान सबसे आगे हैं। आसपास के लोग पराली जलाने की घटनाओं को देखकर भी जिला प्रशासन को सूचना नहीं देते। निगरानी के बावजूद पिछले साल भी 88 स्थानों पर पराली जलाने की घटनाएं हुईं थी, लगभग 1.20 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया था। इस साल भी जिला, तहसील और ग्राम पंचायत स्तर पर निगरानी के लिए समिति गठित की गई है। ग्राम प्रधान, सचिव और लेखपालों को जिम्मेदारी मिली है। तहसील स्तर पर एसडीएम की निगरानी में उड़नदस्ता टीम बनी है। इसके बावजूद घटनाएं नहीं रूक रहीं हैं। किसान रबी की बोआई के लिए फसल अवशेष को जलाकर दो या तीन दिन के बाद खेत की जोताई करा दे रहे हैं। पराली जलाने के अधिकांश केस नगरा, इंदरपुर, चिलकहर व गड़वार आदि इलाके में सामने आ रहे हैं।

ठेकेदार के भाई से दिनदहाड़े बदमाशों ने डेढ़ लाख रुपए लूटे

(आधुनिक समाचार सेवा)

हरहुआ/ वाराणसी। बड़ागांव थाना अंतर्गत स्थित ओवरब्रिज पर आज सुबह लगभग दस बजे के करीब बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन का काम करने

वाले ठेकेदार के छोटे भाई से दिनदहाड़े मारपीट कर बाइक सवार दो बदमाशों ने करीब डेढ़ लाख रुपए लूट लिए। भुक्तभोगी की सूचना पर पहुंची हरहुआ व बड़ागांव पुलिस और क्राइम ब्रांच टीम ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी। वह घटना किस सूचना मिलते ही घटनास्थल पर एसपी ग्रामीण और अन्य अधिकारी भी पहुंचे और जायजा लिया बताते चलें कि शिवपुर थाना क्षेत्र के गनेशपुर निवासी दिनेश पटेल जो भवन निर्माण में ठेकेदारी करता है। दिनेश ने बताया कि बड़ागांव थानांतर्गत काजीसराय में भवन निर्माण के लिए ठेका लिया था। जो आज सुबह करीब 9:30 बजे उसका छोटा भाई उत्तम (25) वर्ष जो घर से डेढ़ लाख रुपए लेकर काजीसराय में मजदूरों को मजदूरी देने के लिए काजीसराय साईं गांव साइढ जा रहा था। तभी हरहुआ स्थित काशी कृषक इंटर कॉलेज के सामने ओवरब्रिज पर बाइक सवार दो बदमाशों ने उसे रोका। इसके बाद उसे मारपीट कर उसके पास मौजूद डेढ़ लाख रुपए, मोबाइल और बाइक की चाबी छीन लिए। लगभग सौ मीटर दूर जाकर बदमाशों ने बाइक की चाबी और मोबाइल फेंक कर वाराणसी की ओर भाग निकले।उत्तम पटेल ने बताया कि उसने मोबाइल से 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। वहीं, बड़ागांव थाने की पुलिस और क्राइम ब्रांच ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि युवक ने मारपीट के दौरान राहगीरों से मदद नहीं मांगी थी। यह बात अटपटी सी प्रतीत हो रही है। इसलिए घटना से जुड़े हर पहलू को देखा जा रहा है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर प्रकरण में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बलिया में महिला ग्राम प्रधान को जमकर पीटा

(आधुनिक समाचार सेवा)

बलिया। फेफना के अराजीमाफी गांव की महिला प्रधान की पिटाई कर दी गई। इस मामले में फेफना थाने में प्रधान के पूर्व प्रतनिधि की पत्नी व बेटों पर मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने इसमें महिला समेत दो आरोपितों का गिरफ्तार कर लिया। घटना का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। प्रधान कलावती देवी का आरोप है कि बुधवार को जयनारायण सिंह के परिवार के लोग घर की दीवार तोड़ रहे थे।

रेलवे बोर्ड की पीएससी के चेयरमैन रमेश चंद्र रतन ने यात्री सुविधाऐ देख हुए गदगद,अधीक्षक पुरस्कृत

(आधुनिक समाचार सेवा)

हरहुआ/ वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे मण्डल रेल प्रबंधक वाराणसी परिक्षेत्र के आजमगढ़ स्टेशन पर आज गुरुवार को रेलवे बोर्ड की (झण्) यात्री सेवा समिति ने दौरा किया और स्टेशन पर रेल यात्रियों को मिलने वाली जन सुख-सुविधाओं का संज्ञान लेने एवं सुविधाओं में

उन्नयन करने के उद्देश्य से आज यात्री सेवा समिति के चेयरमैन रमेश चंद्र रतन ने अपने सदस्यों श्री यतीन्द्र सिंह,श्री राम किशन, श्री गंगाधर तालुपुला, सुश्री बेबी चंकी एवं प्रमोद कुमार सिंह के साथ आजमगढ़ स्टेशन पर यात्री सुविधाओं एवं सेवा का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान रेलवे बोर्ड की पीएससी के चेयरमैन ने यात्री सुविधाऐ व क्लीन साफ-सफाई देख हुए गदगद उसके उपरान्त उन्होंने स्टेशन अधीक्षक को दस हजार का नकद पुरस्कृत कर उनका मनोबल बढ़ाया। इस दौरान यात्री सुविधासमिति के चेयरमैन रमेशचन्द्र रत्न और उनके सदस्यों ने अपराह्न आजमगढ़ रेलवे स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के लिए चल रहे विकास कार्यों की सराहना की।उन्होंने स्टेशन के फूड स्टाल, ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, वाटर कूलर, कोच गाइडेंस बोर्ड ,आरसीसी यात्री बेंच, प्लेटफार्म के विस्तार, फुटओवर ब्रिज,डॉरमेट्री,रिटायरिंग रूम, वेटिंग रूम,फूड स्टॉल, एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल, जेटीबीएस, स्टेशन पर दिव्यांग यात्रियों की सुविधा हेतु रैम्प,वाटर बूथ,शौचालय, व्हील चेयर, स्ट्रेचर की उपलब्धता का निरीक्षण किया। इसके साथ ही आजमगढ़ स्टेशन पर प्रस्तावित पार्सल कार्यालय, सेकंड एंट्री, दूसरे फूट ओवर ब्रिज एवं कैब वे के साथ अतिरिक्त प्लेटफॉर्म बनाने के प्रोजेक्ट का भी निरीक्षण किया चेयरमैन ने अपने निरीक्षण के दौरान यात्रियों के लिए उक्त कार्ययोजना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधितअधिकारियों को इस कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने का निर्देश दिया।उन्होंने निरीक्षण के दौरान आजमगढ़ रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से सीधा संवाद कर स्टेशन पर मिलने वाली सुविधा के बारे में प्रश्न पूछा और यात्रियों की संतुष्टि एवं स्टेशन की साफ-सफाई एवं यात्री सुविधाओं पर संतोष प्रसन्नता व्यक्त करते हुए स्टेशन अधीक्षक डी0 बी0 सिंह को रु 10000/- दस हजार नगद पुरस्कार प्रदान किया। इसके पूर्व यात्री सेवा समिति के चेयरमैन रमेश चन्द्र रतन व सदस्यों ने अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं मंडलीय अधिकारियों के साथवाराणसी मंडल का मिलने वाली यात्री सुख सुविधाओं की जानकारी पावर पॉइन्ट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ली इसके उपरांत चेयरमैन वाराणसी मंडल पर मिलने वाले यात्री सुख-सुविधाओं की गुणवत्ता पर प्रशंसता व्यक्त करते हुए मंडल के छोटे स्टेशनों पर भी सुविधाओं के बढ़ाए जाने का सुझाव दिया। इस बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन)श्री राहुल श्रीवास्तव,मुख्य परियोजना प्रबंधक-1(निर्स्थ) विकाश चन्द्रा वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचारइंजीनियर श्री रजत प्रिय,वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री संजीव शर्मा,वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर श्री आलोक केशरवानी,सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अजय कुमार सुमन,जनसम्पर्क अधिकारी श्री अशोक कुमार तथा सहायक मंडल सिंगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर (मऊ) श्री आदित्य प्रकाश समेत वरिष्ठ पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।इस आशय की जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे मण्डल रेल प्रबंधक वाराणसी के जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को दी।

कैमरा ही तो ले गए हैं, चोरी तो नहीं हुई न! गोरखपुर पुलिस की बात सुन हैरान रह गया चोरों का पीछा कर रहा पीड़ित

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर। कैमरा ही तो ले गए हैं, दुकान में चोरी तो नहीं हुई है! घर भाग जाओ। गोरखपुर में पुलिस की यह बात सुनकर चोरों का पीछा कर रहा दुकानदार व उसके साथ मौजूद लोग हैरान रह गए। मामला जिले के गुलरिहां थाना क्षेत्र के नाहरपुर का है। यहां स्थित एक दुकान का रात में चोरों द्वारा ताला तोड़ा जा रहा था। बगल के दुकान में सो रहे दुकानदार ने शोर मचाया तो चोर दुकान में लगा सीसीटीवी कैमरा तोड़कर भाग निकले। पीछा करते दुकानदार सरैया बाजार पहुंचा, जहां चार पांच पुलिस कर्मी मिले। दुकानदार ने पुलिसकर्मियों को देखा तो मदद की आस में घटना की जानकारी दी। इस पर पुलिस द्वारा दिए गए जवाब को सुनकर पीड़ित दुकानदार मायूस होकर घर चला गया। सुबह थाने पहुंच कर लिखित तहरीर दी। मिली जानकारी के अनुसार राकेश गुप्ता पुत्र स्वर्गीय अच्छे लाल गुप्ता नाहरपुर में सोनाली स्टेशनरी के नाम से दुकान चलाता है। दुकानदार

रात में बगल के कमरे में ही सोया था। लगभग सवा बारह बजे कार से पहुंचे चोरों ने पहले दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़ लिया। इसके बाद शटर का ताला तोड़ने लगे। आवाज सुनकर जगे दुकानदार ने अंदर से ही गांव में रहने वाले अपने परिजनों को फोन किया और शोर मचाने लगा। जब तक गांव से लोग पहुंचते तब तक चोर सरैया बाजार की तरफ भाग निकले। पीछा करते हुए दुकानदार भी सरैया पहुंचा तो वहां पहले से चार- पांच की संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे। दुकानदार ने पुलिस को देखा तो मदद की उम्मीद में उनको घटना के संबंध में जानकारी दी। दुकानदार की बात सुनकर पुलिसकर्मियों ने चोरों का पीछा करने के बजाय पीड़ित को ही डांटते हुए कहा कि 'कैमरा गी तो ले गए, चोरी तो नहीं हुई न! चलो भाग जाओ।' पुलिसकर्मियों के इस जवाब से दुकानदार निराश होकर घर लौट गया। चोरों की हरकत सीसीटीवी फुटेज में भी कैद है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि घटना की जानकारी हुई है। चोरों का पीछा करने के बजाए दुकानदार को घर जाने की बात कहने वाले पुलिसकर्मियों की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। पीड़ित के तहरीर के अनुसार मुकदमा दर्ज कर जांच के बाद दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

सीधे प्रवेश
100% Placement
15% Fee Concession
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)
❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।
➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक
फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर
Apply Online: www.nainitti.com
Mail us at – info@nainitti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873
⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

31.23 करोड़ में 18 खराब प्रमुख सड़कों का होगा कायाकल्प

(आधुनिक समाचार सेवा)

आजमगढ़। जिले की प्रमुख सड़कों का जल्द ही कायाकल्प होगा। शासन ने 18 प्रमुख सड़कों के लिए

31.23 करोड़ की धनराशि अवमुक्त कर दी है। इन सड़कों पर शीघ्र ही काम शुरू होगा। इस धनराशि से 110 किमी सड़कों की पीचिंग व नवीनीकरण का काम किया जाएगा। इनमें से कुछ सड़कों पर डिवाइडर भी बनाए जाएंगे। इसमें शहर व ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों को शामिल किया गया है। लोक निर्माण विभाग ने इन सड़कों के नवीनीकरण व विशेष मरम्मत के लिए प्रस्ताव भेजा था। शासन ने इसे स्वीकृति प्रदान करते हुए धनराशि अवमुक्त कर दी है। लोक निर्माण विभाग की तरफ से सड़कों के नवीनीकरण व विशेष मरम्मत को भेजी गई सड़कों को शासन ने हरी झंडी दे दी है। जल्द ही इन सड़कों की सूरत बदल जाएगी। इसमें अतरौलिया से अहरौला मार्ग, कप्तानगंज से अहरौला, बूढ़नपुर से आजमतगढ़-लदवा सराय, राजदेपुर-हरिहया-भीमबर, अतरौलिया-अतरैठ, रौनापार-लाटघाट-अमिलो, सोफीपुर-मड़ना संपर्क मार्ग, लखनऊ-बलिया पुराना ठंडी सड़क-शंकर मूर्ति, पहाड़पुर तिराहा से ब्रह्मस्थान, ज्योति निकेतन-करतालपुर, भंवरनाथ-तहबरपुर, आजमगढ़ रेलवे स्टेशन, हरबंशपुर, सिविल लाइन चौक, मुकेरीगंज से हर्रा की चुंगी डिवाइडर, रानी की सराय-ऊंची गोदाम, खेतासराय-दीदारगंज, दीदारगंज-सरायमीर, गाजीपुर-आजमगढ़ मार्ग, बूढ़नपुर-दीदारगंज-मेंहनाजपुर-औड़िहार व वाराणसी-आजमगढ़ के बीच का लालगंज मार्ग शामिल है। जिले की सड़कों के नवीनीकरण व विशेष मरम्मत के लिए धनराशि आई है। इसका प्रस्ताव भेजा गया था। इससे जनता को काफी लाभ होगा।

उत्तर प्रदेश में 3 नवम्बर से 15 नवम्बर तक चल रहे नगर पदयात्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में 3 नवम्बर से 15 नवम्बर तक चल रहे नगर पदयात्रा के क्रम में प्रदेश प्रभारी/राज्य सभा सांसद संजय सिंह के निर्देशन पर गंदगी हटाओ, झाड़ू

चलाओ यात्रा नगर पंचायत डाला में नगर चुनाव प्रभारी अविनश जायसवाल के नेतृत्व व जिलाध्यक्ष रमेश गौतम के अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को दोपहर मे डाला मस्जिद पद यात्रा आरंभ किया गया और डाला बाजार में भ्रमण करते हुए डाला शहीद स्मारक पर पहुंचकर शहिदों को नमन करते पद यात्रा कार्यक्रम सम्पन्न करवाया गया भ्रस्टाचार का एक ही काल केजरीवाल के नारे गुंजे आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा यदि भ्रस्टाचार रुपी गंदगी को साफ करना है तो हाथों में झाड़ू उठाना ही होगा और आम आदमी पार्टी को सत्ता में लाना ही होगा इस दौरान पद यात्रा में प्रभारी रमकांत पन्निका, कुलदीप अग्रवाल(पुर्व विधायक प्रत्यासी जिला महासचिव अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अनवर अली अंसारी रॉबर्ट्सगंज विधानसभा उपाध्यक्ष बशिष्ट कोन ब्लॉक अध्यक्ष राममिलन जाय सवाल , मनोज (पुर्व विधायक प्रत्यासी , शशि कुमार, रामधानी ,सिकंदर यादव कार्यकर्ता शामिल रहे।

एनटीपीसी सिंगरौली स्वच्छ भारत के प्रति प्रतिबद्ध

(आधुनिक समाचार सेवा)

शक्तिनगर। एनटीपीसी सिंगरौली शक्तिनगर द्वारा भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार स्वच्छ भारत अभियान के तहत नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत शान्ति निकेतन जन सेवा समिति, वाराणसी के कलाकारों द्वारा परियोजना समीपवर्ती गाँवो के विद्यालयों मंर अध्ययनरत बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया । श्री कुमार आदर्श, कार्यपालक (सीएसआर) एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा बच्चों को स्वच्छता किट का वितरण भी किया गया एवं बच्चों को स्वच्छता के प्रति प्रोसाहित किया गया उक्त कार्यक्रम का आयोजन प्राथमिक विद्यालय-शक्तिनगर, पूर्व माध्यमिक विद्यालय शक्तिनगर, प्राथमिक विद्यालय-कोटा बाबू एवं कम्पोजीट विद्यालय-कोटा पुनर्वास, कम्पोजीट विद्यालय-तारापुर, प्राथमिक विद्यालय-परसवार राजा, कम्पोजीट विद्यालय-चिल्काडांड, पूर्व माध्यमिक

विद्यालय, लोझरा एवं परियोजना प्रभावित गाँवों के नुक्कड़ों पर किया गया । इस अवसर पर उक्त सभी विद्यालयों की प्रधानाध्यापिकायें, शिक्षकगण, अभिभावकगण, श्री हीरालाल-ग्राम प्रधान चिल्काडांड, जन प्रतिनिधि सहित ग्रामीण एवं एनटीपीसी सिंगरौली की सीएसआर टीम के साथ, श्री हरीश वर्मा, एसोसिएट (कर्मचारी विकास केंद्र) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद रहें ।

यातायात नियमों का पालन कर हादसों में लाई जा सकती है कमी

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। यातायात जागरूकता अभियान के तहत वेग्बी कॉलेज में बृहस्पतिवार को गोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि पुलिस उपाधीक्षक यातायात अनिल कुमार पांडेय ने कहा कि जागरूकता अभियान का उद्देश्य सड़क हादसों को कम करना है। यातायात नियमों के पालन से ही सड़क हादसों में कमी लाई जा सकती है। उन्होंने सड़क सुरक्षा के उपाय के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक दीक्षांत राज ने कहा कि हमें स्कूल, कॉलेज स्तर से ही बच्चों और युवाओं को यातायात नियमों की जानकारी देनी होगी। जो लोग लापरवाही बरतते हैं, उनके

खिलाफ सख्ती करने की आवश्यकता है। यातायात प्रभारी विपिन कुमार पांडेय ने कहा कि जागरूकता अभियान के तहत अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक किया जाता है। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य प्रो. अशोक कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन मुख्य नियंता डॉ. शशांक शेखर द्विवेदी ने किया। संचालन डॉ. कुलदीप पांडेय ने किया। इस मौके पर डॉ. मकरंद जायसवाल, डॉ. अर्चना पांडेय, डॉ. करनैल सिंह, डॉ. नम्रता मिश्रा, डॉ. अशोक कुमार पांडेय, डॉ. अमित कुमार विश्वकर्मा, डॉ. रत्नेश मिश्र, डॉ. राम लखन, डॉ. आदित्य कुमार पटेल, डॉ. धनंजय सिंह आदि मौजूद रहे।

अधिकारी जल निकासी की अविलंब कराएं व्यवस्था

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। कलेक्ट्रेट सभागार में बृहस्पतिवार को प्रदेश के नगर विकास सचिव अनिल कुमार ने सेवा पखवाड़ा के तहत निकायों में कराए जाने वाले कार्यों की जानकारी ली। समय में सड़कों को गड्ढामुक्त करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत सालिड वेस्ट मैंनेजमेंट, कूड़ा कलेक्शन एवं डिस्पोजल आदि की भी समीक्षा की। नगर विकास सचिव ने अधिकारियों

उन्होंने निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अविलंब जलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर जलनिकासी की व्यवस्था कराएं। बैठक के दौरान नगर विकास सचिव ने अधिकारियों को जल भराव वाले स्थानों पर नियमित रूप से एंटी लार्वा का छिड़काव कराने का भी निर्देश दिया। बैठक के दौरान नगर पालिका मिर्जापुर के अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता ने बताया कि जल निगम एकत्र गंदे पानी को पंप करके सीवर लाइन में डलवा रहा है। वर्तमान में एंटी लार्वा के छिड़काव के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में फागिंग भी कराई जा रही हैं। उधर, नगर विकास सचिव ने निकायों के अधिशासी अधिकारियों को यह निर्देश भी दिया कि खुले नाले-नालियों को ढंकने की व्यवस्था कराएं और नालियों व कचरों की सफाई नियमित रूप से कराएं। उन्होंने यह निर्देश भी दिया कि नगर के सभी क्षेत्रों में शुद्धता की जांच के लिए पेयजल के नमूने लेकर उसका ओटी टेस्ट कराएं। साथ ही केमिकल एनालिसिस भी कराएं। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में निर्धारित से अमृत योजना के तहत पेयजल, सीवर, पार्क एवं ग्रीन स्पेस योजनाओं की भी जानकारी ली। कहा कि पेयजल एवं सीवर लाइन के कार्यों को निर्धारित समय में पूरा कराएं। उन्होंने हर घर नल योजना की भी समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास शहरी योजना के लाभार्थियों के भवन मार्च 2023 तक पूर्ण कराने का निर्देश भी दिया। बैठक में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा कर शत प्रतिशत वेंडरों को पंजीकृत कराने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में कछवां के अधिशासी अधिकारी ने बताया कि नगर पंचायत में जल निकासी की समस्या है। इस पर नगर विकास सचिव ने समस्या के समाधान के लिए प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। बैठक में एडीएम शिव प्रताप शुक्ल, एडीएम नमामि गंगे अमरेंद्र कुमार वर्मा के अलावा सभी निकायों के अधिशासी अधिकारी, गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई के परियोजना प्रबंधक संजय कुमार, डूडा की परियोजना अधिकारी प्रतिभा श्रीवास्तव सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जमीन संबंधी विवाद में एक की हत्या, गोली लगने से तीन घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। देहात कोतवाली क्षेत्र के अघौली गांव में बृहस्पतिवार को सुबह जमीन संबंधी विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। इस बीच एक पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडे से पीटकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी। हत्या होने पर मृतक के भतीजे ने अपने लाइसेंसी रिवाल्वर से फायरिंग की। गोली लगने से दूसरे पक्ष के तीन लोग घायल हो गए। दोनों पक्ष के लोगों के बीच हुई मारपीट में 24 लोग घायल हो गए। पुलिस सभी घायलों को उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल ले गई। घायलों में दोनों पक्ष के पांच लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें रेफर कर दिया गया। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है। रमेश और उमानाथ चचेरे भाई हैं। दोनों के परिवार के बीच जमीन संबंधी पुराना विवाद चला आ रहा है। रमेश के पुत्र विनोद कुमार पांडेय का आरोप है कि उन्होंने पट्टीदारी में चाची विजयलक्ष्मी से चार बीघा जमीन बैनामा कराया है। जिस पर विपक्षी अपना दावा कर रहे हैं। वहीं विपक्षी का कहना है कि वसीयत

के अनुसार जमीन उनकी है। मामला एसडीएम कोर्ट में है।इस बीच बृहस्पतिवार को सुबह विवादित जमीन पर कूड़ा फेंकने को लेकर दोनों पक्ष के लोगों के बीच विवाद हो गया। महिलाओं के बीच शुरू हुए विवाद बढ़ने पर उसमें पुरुष भी शामिल हो गए। विवाद ज्यादा बढ़ने पर दोनों पक्ष के लोगों के बीच मारपीट होने लगी। आरोप है कि इसमें एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के धर्मेंद्र उर्फ राजू (55) को लाडी-डंडे से पीटकर हत्या कर दी। यह आरोप भी है कि धर्मेंद्र के भतीजे विनोद पांडेय ने लाइसेंसी रिवाल्वर से फायरिंग की। इसमें दूसरे पक्ष के तीन लोगों को गोली लगी। इसमें कमलेश पांडेय (45), अभय पांडेय (22) और अभिषेक (19) गोली लगने से घायल हो गए।विनोद का आरोप है कि अपने बचाव में गोली चलाने पर विपक्षियों ने रिवाल्वर छीन लिया। दूसरे पक्ष का आरोप है कि विवाद में गोली चलाई गई। जिसके बाद मारपीट हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस सभी घायलों को उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल लेकर गई। अस्पताल में डॉक्टर ने धर्मेंद्र को मृत घोषित कर दिया। गोली लगने से एक पक्ष के घायल सभी तीन और दूसरे पक्ष के रमेश व ओमकार को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। दोनों पक्षों से तहरीर लेकर पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।पुलिस अधीक्षक संतोष मिश्रा का कहना है कि बृहस्पतिवार को सुबह पुराने विवादित जमीन पर कूड़ा फेंकने को लेकर पट्टीदारों में विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर एक पक्ष की ओर से फायरिंग की गई। इसमें तीन लोग घायल हो गए। मारपीट में दूसरे पक्ष के घायल एक व्यक्ति की मौत हुई है। दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। विवादित जमीन की जांच राजस्व टीम कर रही है।

हाईवा की चपेट में आने से छात्र की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। शक्तिनगर राजमार्ग पर स्थित समदपुर गांव के पास बृहस्पतिवार की शाम हाईवा की चपेट में आने से दो पहिया सवार

इंटरमीडिएट के छात्र की मौत हो गई। हाईवा चालक मौका पाकर फरार हो गया। पुलिस ने हाईवा को कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने शव की शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी। मौत की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। थाना क्षेत्र के खिरौड़ी गांव निवासी छात्र अनिल केसरी (17) पुत्र शिव प्रसाद केसरी छत्रपति शिवाजी इंटर कॉलेज खजुरौल में इंटरमीडिएट के छात्र थे। वे दो पहिया (मोपेड) से अदलहाट बाजार जा रहे थे। समदपुर गांव के पास पहुंचे थे कि वाराणसी से सोनभद्र की ओर जा रहे हाईवा ने पीछे से टक्कर मार दिया। इस हादसे में अनिल की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन थाने पहुंच गए। अनिल तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे। माता कलावती देवी अपने पुत्र की मौत की खबर सुनते ही बेहोश हो गईं। परिजनों रो-रोकर बुरा हाल है। अनिल के पिता मजदूरी कर परिवार के सदस्यों का भरण पोषण करते हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पेटिंग प्रदर्शनी के जरिए बच्चों ने मोहा मन

(आधुनिक समाचार सेवा)

घोरावल। भारतीय इंटर कॉलेज घोरावल में तीन दिवसीय विज्ञान जागरूकता प्रदर्शनी एवं मेला के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को बच्चों ने पेंटिंग की प्रदर्शनी लगाई। वहीं सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक मॉडल प्रदर्शित किया। संजीवनी संस्था प्रयागराज के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य अतिथि जीबी पंत विवि के सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रमोद पांडेय ने छात्र-छात्राओं को जीवन के लक्ष्य और उसे प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आप सभी का लक्ष्य निश्चित होना चाहिए। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक ठोस व समुचित रणनीति बनाकर पूरे मनोयोग से

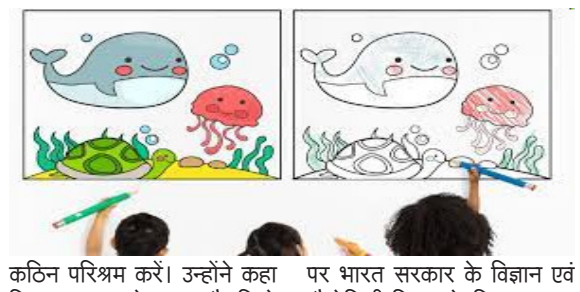

कठिन परिश्रम करें। उन्होंने कहा कि मन एक प्रयोगशाला है, जिसे आप हर जगह प्रयोग कर सकते हैं। मन जब केंद्रित होता है, तब किसी भी लक्ष्य को भेद सकता है। उन्होंने अर्जुन और स्वामी विवेकानंद का उदाहरण दिया। इस अवसर पर भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विज्ञान प्रसार विभाग के रितांशु गुप्ता ने खेल माध्यम से सरल तरीके से विज्ञान को कैसे समझें पर बारिकी से प्रकाश डाला और विज्ञान किट के माध्यम से बच्चों को समझाया। संजीवनी संस्था के सचिव उदित नारायण शुक्ला ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक सिद्धार्थ पांडेय, मनीष कुमार, सिद्धार्थ शुक्ला, प्रमोद श्रीवास्तव, प्रेम प्रकाश पांडेय, कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य गणेश देव पांडेय, रामानंद पांडेय, लवकुश चौबे, रीना राय, रवि सिंह, सुमित पटेल, मृत्युंजय सिंह आदि रहे।

रात में कछवां की तरफ से मिर्जापुर आ सकेंगे खाली ट्रक

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। शास्त्री सेतु पर भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगने के बाद ट्रांसपोर्टरों की सहमति पर जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने कछवां से भटौली पुल होते हुए खाली ट्रक को मिर्जापुर आने की अनुमति दी

है। यह आदेश 11 नवंबर से प्रभावी होगा। अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ल ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन एवं व्यापार मंडल के पदाधिकारियों से अपर पुलिस अधीक्षक नगर की बातचीत हुई थी। उसमें कछवां की तरफ से मिर्जापुर आने के लिये भटौली पुल होते हुए रात 11 से सुबह पांच बजे तक खाली ट्रक या वाहन लाने की अनुमति दिए जाने के संबंध सहमति बनी थी। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी ने यह अनुमति केवल एकल मार्ग कछवां की तरफ से मिर्जापुर आने वाले वाहनों के लिये ही दी गई है। भटौली पुल से बहियाडाढ़ होते हुये गुरूसंडी के रास्ते मिर्जापुर खाली ट्रकों को लाया जा सकता हैं। मिर्जापुर से कछवां की तरफ किसी प्रकार का भारी वाहन नहीं जायेगा। जिलाधिकारी ने अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी यातायात को निर्देश दिया है कि इस मार्ग के लिये रूट चार्ट निर्धारित कर प्रचार - प्रसार कराना सुनिश्चित करें। यह आदेश 11 नवंबर से प्रभावी होगा।

डूबने से दोनों युवकों की मौत की हुई पुष्टि

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विंध्याचल में बुधवार की रात कुएं में गिरकर दो युवकों की मौत हो गई। बृहस्पतिवार को उनके शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत की पुष्टि हुई है। मौत के बाद से परिवार के लोग सदमे में हैं। क्षेत्र के घमहापुर निवासी जितेंद्र उर्फ मैनेजर पुत्र गुलाब व बंगाली चौराहा निवासी मिथुन वर्मा पुत्र दुर्गा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित कुएं में बुधवार की रात करीब 10 बजे गिर गए। आसपास के लोगों ने शोर मचाया। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष अतुल कुमार राय ने फायर ब्रिगेड बुलाकर दोनों युवकों को बाहर निकलवाने के बाद सीएचसी ले गए। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। मंडलीय अस्पताल में दोनों युवकों को डॉक्टर ने मृत घोषित किया। बृहस्पतिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। घटना के संबंध में पुलिस ने बताया था कि दोनों युवक नशे में कुएं में गिर गए थे। क्षेत्र में चर्चा है कि सीएचसी विंध्याचल नशेड़ियों का अड्डा बन गया है। रात होते ही काफी संख्या में युवक नशा करने के लिए वहां पहुंच जाते हैं। वहां अराजकतत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। कुएं के पीछे बरामदे में नशीली दवा और इंजेक्शन भी फेंका हुआ मिला। थानधयक्ष अतुल कुमार राय ने बताया कि रात में नशे का सेवन करते समय दोनों युवक कुएं में गिरे थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत की पुष्टि हुई है।

पंज प्यारों की अगुवाई में निकली शोभा यात्रा, सेवा का संकल्प

(आधुनिक समाचार सेवा)

ओबरा। गुरुनानक देव प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में स्थानीय रथ के आगे महिलाएं और युवतियां झाड़ू लगाकर सड़क को साफ-सुथरा कर रही थीं। जगह-जगह

गुरुद्वारा में चल रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत बृहस्पतिवार को शोभायात्रा निकाली गई। पंज प्यारे की अगुवाई में गुरु ग्रंथ साहिब की झांकी को फूलों से सजे रथ पर आसीन कर पूरे नगर का भ्रमण कराया था। हाथों में निशान लेकर भक्त यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान जो बोले सो निहाल, सतश्री अकाल का नारा गूंजता रहा। चोपन रोड स्थित गुरुद्वारा से शुरू हुई शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। गुरु ग्रंथ साहिब के महाराज के दिखाए गए मार्ग पर चलकर हम सभी समाज को प्रगति के मार्ग पर ले जा सकते लोगों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान पूरा नगर सबद कीर्तन से गूंजता रहा। शोभायात्रा में पारंपरिक वाद्ययंत्रों पर गुरुवाणी का गायन करते श्रद्धालुओं की टोली चह रही थी। मिर्जापुर से आए गतका टोली ने तरह-तरह के हैरतअंगेज करतब दिखाए। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रानमती देवी की ओर से क्लब 4 के सामने टेंट लगाकर श्रद्धालुओं को जलपान कराया। कार्यक्रम में अध्यक्ष दलबीर सिंह सामरा ने कहा कि पूज्य गुरुनानक देव जी हैं। कार्यक्रम में गुरुद्वारा इंटरमीडिएट कॉलेज चोपन के बच्चों ने भी तरह-तरफ के करतब दिखाए। इस दौरान सिरमौर सिंह, सर्वजीत कौर, जसविंदर सिंह, देव प्रकाश मौर्या, हसनप्रीत, जसनप्रीत, नवदीप सिंह, अर्सदीत सिंह, एसपी तनेजा, सोनू सिंह, सुरजीत सिंह, नरेंद्र सिंह मोंगा, रिष्पाल कौर, सुखवीर कौर, रमनप्रीत कौर, सर्वजीत कौर, मनजीत सिंह, गुरविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

सेमीफाइनल से भारत को बाहर करने में अहम भूमिका निभाने वाले एलेक्स हेल्स कभी ड्रग लेने का कारण हुए थे प्रतिबंधित

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कुछ महीनों पहले तक एलेक्स हेल्स इंग्लैंड के टी-20 विश्व कप अभियान की योजना में भी शामिल नहीं थे लेकिन अब वह इस टूर्नामेंट में अपनी टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 'रिक्रिएशनल' (नशे के लिए) ड्रग जांच में विफल होने के बाद इंग्लैंड की 2019 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद हेल्स ने तीन साल क्रिकेट से बाहर अकेलेपन में गुजारे। वह बीबीएल में खेलते हैं। उन्हें आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर अनुभव का फायदा मिला। उन्होंने 148.59 के स्ट्राइक रेट से 52.76 के औसत से 211 रन बनाए हैं। वह इस साल सितंबर में केपटाउन में अपनी महिला मित्र के साथ चार हफ्ते के लिए छुट्टियों पर थे और इस दौरान जानी बेयरस्टो को गोल्फ खेलते हुए टखने में गंभीर चोट लग गई। वह टी-20 विश्व कप से बाहर हो गए और एलेक्स को मौका मिला। उन्होंने भारत के विरुद्ध 47 गेंद में 86 रन की नाबाद पारी खेली। इंग्लैंड की न्यूजीलैंड और श्रीलंका पर जीत में उनकी क्रमशः 52 और 47 रन की पारियां अहम रहीं। इंग्लैंड के लिए 2011 में पदार्पण करने वाले 33 वर्षीय हेल्स ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं फिर विश्व कप में खेलूंगा और मौका मिलना एक विशेष अहसास है।' ड्रग जांच के बाद इंग्लिश टीम प्रबंधन के साथ उनके रिश्ते खत्म हो गए थे। उन पर 2019 विश्व कप से पहले तीन हफ्ते का निलंबन लगा जो तीन साल में बदल गया जिससे उनकी अनदेखी 2021 टी-20 विश्व कप में भी जारी रही। इंग्लैंड के लिए 11 टेस्ट और 70 वनडे चुके हेल्स ने अपना ध्यान छोटे प्रारूप में लगाना शुरू किया। वह 2018 में आइपीएल में छह मैचों में खेले, फिर पीएसएल, सीपीएल, बीबीएल और 'द हंड्रेड' में भी। तीन साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बावजूद हेल्स इंग्लैंड के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 2011 से 2022 तक तीसरे सर्वाधिक रन जुटाने वाले खिलाड़ी हैं। बेयरस्टो की चोट के बाद हेल्स को पाकिस्तान के विरुद्ध सात मैचों की टी-20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया जिसके बाद वह आस्ट्रेलिया में दो टी-20 मैचों में खेले।

भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में इंग्लिश बल्लेबाजों को बीबीएल में खेलने का फायदा मिला : राहुल द्रविड़

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट से मिली हार के बाद भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि इंग्लिश बल्लेबाजों को आस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने का फायदा मिला। जोस बटलर बीबीएल में एडिलेड स्ट्राइकर्स और एलेक्स हेल्स सिडनी थंडर्स से खेल चुके हैं। मैच के बाद राहुल द्रविड़ ने कहा कि इसमे कोई संदेह नहीं कि इंग्लैंड के कई खिलाड़ी यहां टी-20 लीग में खेलते हैं। उन्हें इसका फायदा मिला और इस टूर्नामेंट में निश्चित तौर पर यह दिखा। यह पूछे जाने पर कि क्या बीबीएल में खेलने से भारतीय खिलाड़ियों को फायदा होगा तो राहुल द्रविड़ ने कहा, यह भारतीय खिलाड़ियों के लिए थोड़ा मुश्किल है क्योंकि जिस समय यह लीग खेली जाती है, हमारे यहां कई घरेलू टूर्नामेंट खेले जा रहे होते हैं। यह हमारे लिए बड़ी चुनौती है। लेकिन हां मुझे लगता है कि हमारे कई खिलाड़ी यहां खेलने का अवसर चूक जाते हैं, लेकिन यहां खेलना बीसीसीआइ पर निर्भर करता है क्योंकि अंतिम फैसला उसे ही लेना है।राहुल द्रविड़ ने कहा कि अगर भारतीय खिलाड़ियों को अन्य लीग में खेलने की अनुमति दी जाती है तो भारतीय क्रिकेट की स्थिति भी वेस्टइंडीज जैसी हो जाएगी, जो टेस्ट प्रारूप को जीवंत बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है। वहीं इस मैच में मिली हार के बाद टीम इंडिया में शामिल कई सीनियर खिलाड़ियों के करियर बारे में पूछे जाने के बारे में द्रविड़ ने कहा कि उनके बारे में अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी और वो अगला टी20 वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं इसमें काफी वक्त है। आपको बता दें कि टी20 वर्ल्ड कप 2022 के दूसरे सेमीफाइनल में टीम इंडिया का सामना इंग्लैंड के साथ हुआ था, लेकिन इंग्लैंड के दोनों ओपनर बल्लेबाज एलेक्स हेल्स और जोस बटलर ने मिलकर पहले विकेट के लिए नाबाद 170 रन की साझेदारी करते हुए भारतीय टीम को 10 विकेट से हरा दिया। इससे पहले टीम इंडिया ने पहली पारी में विराट कोहली और हार्दिक पांड्या की अर्धशतकयी पारी के दम पर 20 ओवर में 168 रन बनाए थे जो एडिलेड की पिच पर जीत के लिए नाकाफी थे।

रोहित शर्मा को हटाकर अब किस खिलाड़ी को बनाया जाए टी20 टीम का कप्तान, गावस्कर ने सुझाया नाम

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में भारत की शर्मनाक हार के बाद महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि मौजूदा टीम के कुछ खिलाड़ियों को अब संन्यास ले लेना चाहिए। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि टी20 विश्व कप 2022 के बाद टीम में कुछ बदलाव करने चाहिए और पहली ही बार में अपनी टीम को आइपीएल चैंपियन बना चुके हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाना जाना चाहिए। कई खिलाड़ी 30 वर्ष के ऊपर हैं, उन्हें अपने बारे में विचार करना चाहिए। सुनील गावस्कर ने कहा कि नाकआउट मुकाबले में भारत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है, खासतौर पर बल्लेबाजी में, जो उसकी ताकत है। सेमीफाइनल मुकाबले में जितनी अच्छी बल्लेबाजी होनी चाहिए थी, उतनी नहीं हुई। आपको बता दें कि भारतीय टीम ने अपना आखिरी आइसीसी खिताब साल 2013 में एम एस धौनी की कप्तानी में जीता था, लेकिन इसके बाद से टीम इंडिया ने कोई भी आइसीसी खिताब नहीं जीता। वहीं साल 2007 में भारत ने टी20 वर्ल्ड कप खिताब पहली बार जीता था, लेकिन 15 साल के बाद एक बार एक शानदार टीम होने के बावजूद रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने ये मौका गंवा दिया। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के दूसरे सेमीफाइनल में टीम इंडिया का सामना इंग्लैंड के साथ हुआ था, लेकिन इंग्लैंड के दोनों ओपनर बल्लेबाज एलेक्स हेल्स और जोस बटलर ने मिलकर पहले विकेट के लिए नाबाद 170 रन की साझेदारी करते हुए भारतीय टीम को 10 विकेट से हरा दिया। इससे पहले टीम इंडिया ने पहली पारी में विराट कोहली और हार्दिक पांड्या की अर्धशतकयी पारी के दम पर 20 ओवर में 168 रन बनाए थे जो एडिलेड की पिच पर जीत के लिए नाकाफी थे। इस पूरे मैच के दौरान भारतीय टीम बेहद दवाब में नजर आई और कप्तान रोहित ने भी कहा कि वो खिलाड़ियों को बड़े दवाब से निपटना नहीं सिखा सकते।

राशिफल

मेष-: रियल एस्टेट से जुड़े निवेश से आपको अच्छा मुनाफा होगा. परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊंचे लक्ष्य की प्राप्ति की दृष्टि से जानबूझ कर थोड़ा जोखिम उठाया जा सकता है।

वृष-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आप कोई खास काम करना चाहते हैं तो आज का दिन बेहतर है। कोई बड़ी जिम्मेदारी आपको मिल सकती है।

मिथुन-: आज आप अपने जीवन साथी के स्वभाव में गंभीरता का अनुभव करेंगे. व्यापार में आज कोई जोखिम न लें। लोगों को पैसे उधार देने से बचें। आप भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस कर सकते हैं।

कर्क-: स्वास्थ्य को लेकर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। यात्रा और धन खर्च करने के मूड में रहेंगे लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

सिंह-: आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. सेहत में उतार-चढ़ाव हो सकता है। परिवार के कारण आपका मूड थोड़ा खराब हो सकता है। आप खुद को व्यस्त रखने की कोशिश करेंगे।

कन्या-: आज आपको अपने परिवार वालों से कोई उपहार मिल सकता है. बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। विद्यार्थी भी मन लगाकर मेहनत करेंगे। कड़ी मेहनत के कारण आपको सफलता मिलेगी।

तुला-: निवेश से जुड़े अहम फैसले किसी और दिन के लिए छोड़ देने चाहिए. शाम को अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या मूवी देखना आपको सुकून और खुशी का अनुभव कराएगा।

वृश्चिक-: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे। इस राशि के छात्रों के मन में सकारात्मक विचार आएंगे।

धनु-: आज नौकरी के क्षेत्र में किया गया प्रयास सफल होगा. परिवार के सदस्यों के साथ संबंध और मधुर होंगे। प्रेम संबंधों को लेकर आप काफी उत्साहित रहेंगे।

मकर-: अचानक से परेशानी के कारण परिवार की शांति भंग हो सकती है. लेकिन ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि समय सब कुछ ठीक कर देगा। परेशानी का सामना शांति से करना समय की मांग है।

कुंभ-: आज आपको मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा. घर का काम समय पर पूरा करेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। आप नई चीजों को जानने के लिए उत्सुक रहेंगे।

मीन-: आज आपका जीवन के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक रहेगा. चुप रहना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। भविष्य की योजनाओं के बारे में गहराई से सोचें। प्यार आपके शरीर और दिमाग पर हावी है।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए बदल सकता है टीम इंडिया का कोच, इस पूर्व खिलाड़ी के नाम पर हो रही चर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में भारतीय टीम को सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों शर्मनाक हार मिली। इस टी20 विश्व कप के बाद कई सीनियर खिलाड़ियों पर गाज गिरने की संभावना है। भारतीय टीम इसके बाद न्यूजीलैंड दौरे पर जाएगी। यहां टीम को तीन टी-20 और तीन वनडे मैच खेलने हैं। इस दौरे को लेकर कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया दिया है। टी20 सीरीज के लिए हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया गया है। जबकि वनडे के लिए शिखर धवन को। रिपोर्ट्स की मानें तो इस सीरीज के लिए कोच राहुल द्रविड़ को भी आराम दिया जा सकता है। राहुल द्रविड़ की जगह वीवीएस लक्ष्मण कोच का पद संभालते हुए दिख सकते हैं।न्यूजीलैंड दौरे के लिए विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, दिनेश कार्तिक, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद शमी जैसे सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया गया है। यह सभी प्लेयर्स टी20 वर्ल्ड कप के बाद ऑस्ट्रेलिया से सीधे भारत वापस जाएंगे। न्यूजीलैंड दौरे के बाद भारतीय टीम दिसंबर में बांग्लादेश का दौरा करेगी। 20 नवंबर, रविवारः दूसरा टी-20, माउंट माउंगनुई 22 नवंबर, मंगलवारः तीसरा टी-20, ऑकलैंड 25 नवंबर, शुक्रवारः पहला वनडे, ऑकलैंड 27 नवंबर, रविवारः दूसरा वनडे, हैमिल्टन 30 नवंबर, बुधवारः तीसरा वनडे, क्राइस्टचर्च न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम टी20ः हार्दिक पंड्या (कप्तान), ऋषभ पंत (उप-कप्तान, विकेटकीपर), शुभमन गिल, ईशान किशन, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, हर्षल पटेल, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, उमरान मलिक।

टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद रोते दिखे रोहित शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को 10 विकेट से हराया। इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विराट कोहली और हार्दिक पांड्या की अर्धशतकी पारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट पर 168 रन बनाए और इंग्लैंड को जीत के लिए 169 रन का टारगेट दिया। जीत के लिए मिले लक्ष्य को इंग्लैंड की टीम ने 10 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया और फाइनल में जगह बना ली। इंग्लैंड की तरफ से टीम के ओपनर बल्लेबाज एलेक्स हेल्स और जोस बटलर ने 170 रन की पहले विकेट के लिए नाबाद साझेदारी करते हुए भारत को 10 विकेट से हरा दिया। अब टी20 वर्ल्ड कप 2022 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और पाकिस्तान के साथ 13 नवंबर को मेलबर्न में खेला जाएगा। पाकिस्तान व इंग्लैंड की टीम ने एक-एक बार टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीते हैं और अब उनके पास दूसरी बार ये खिताब जीतने का मौका होगा। इंग्लैंड की टीम ने भी टी20 वर्ल्ड कप में तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई। बता दें कि रोहित की कप्तान में पहली बार टीम इंडिया आइसीसी वर्ल्ड कप खेल रही थी। इस हार के बाद रोहित शर्मा काफी निराश दिखे। मैच खत्म होने के बाद जब टीम इंडिया के खिलाड़ी इंग्लैंड टीम के साथ अपने-अपने डगआउट में पहुंचे, तब रोहित शर्मा काफी भावुक हो गए। वीडियो में देखा जा सकता है कि रोहित अपने आंसू साफ कर रहे हैं। रोहित के यूं उदास देखकर उनके पास राहुल द्रविड पहुंचे और दोनों ने काफी देर तक बातचीत भी की।

अश्विन, कार्तिक और शमी का टी-20 करियर खत्म, रोहित शर्मा व केएल राहुल का प्रदर्शन कठघरे में

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। इस टी20 विश्व कप के पहले ही तय हो गया था कि आने वाले समय में चेतन शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय चयनसमिति में बदलाव होगा या नई चयनसमिति चुनी जाएगी। अब टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन ने यह भी तय कर दिया है कि कई भारतीय खिलाड़ियों के विकेट गिरेंगे। रविचंद्रन अश्विन, दिनेश कार्तिक और मोहम्मद शमी अब शायद ही आपको भारतीय टी-20 टीम में खेलते नजर आएं। कार्तिक सिर्फ टी-20 टीम का हिस्सा थे, आप जल्द ही उनके द्वारा अंतरराष्ट्रीय संन्यास की घोषणा सुन सकते हैं। उनके पिता जी ने दैनिक जागरण को दिए साक्षात्कार में इस बारे में संकेत दिए थे। आर अश्विन अब सिर्फ टेस्ट प्रारूप में ही चुने जाएंगे और शमी भी वनडे और टेस्ट खेलते हुए नजर आएंगे। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की टी-20 कप्तानी और केएल राहुल की बल्लेबाजी से लोग ही नहीं बीसीसीआइ भी खफा है। राहुल ने इस विश्व कप में पावरप्ले में दो ओवर मेडन खेले। क्रिकेट के सबसे तेज फार्मेट में शायद इतनी धीमी बल्लेबाजी वही कर सकते हैं। हालांकि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ इस ओपनर का काफी समर्थन करते हैं। बीसीसीआइ के पदाधिकारी से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभी जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं होगा। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश दौरे के लिए टीम पहले ही चुन ली गई है। उससे आपको संकेत मिल ही गए होंगे। अगला टी-20 विश्व कप 2024 में होना है। अगले साल भारत में वनडे विश्व कप होना है। तब तक भारत को सिर्फ 12 टी-20 ही खेलने हैं। हम आने वाले समय में बैठक करेंगे। उसमें देखेंगे कि क्या आगे करना है।

बाइलेटरल के शेर, आईसीसी के इवेंट में हो जाते हैं ढेर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। इवेंट के नॉकआउट मुकाबले में भारत के हार का सिलसिला लगातार जारी है। 2014 से टीम इंडिया ने घ्ण् का कोई भी बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता है। ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी20 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में मिली हार ने उसमें एक और आंकड़ा जोड़ दिया है। भारत अब तक घ्ण् इवेंट के चार बार सेमीफाइनल में हार चुका है भारत द्विपक्षीय (बाइलेटरल) सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करता है, लेकिन आइसीसी के टूर्नामेंट में बड़े मैच का दबाव नहीं झेल पा रहा है। इसके चलते वह नॉटआउट मैच हार के साथ टूर्नामेंट में बाहर होता रहा है 2015 के एकदिवसीय विश्व कप सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन भारत की भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया से हुई। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट के नुकसान पर 327 रन बनाए। जवाब में उतरी इंडिया टीम 233 रन ही बना सकी। इस मैच में धोनी के रन आउट होते ही भारत की उम्मीद टूट गई थी। 2015 एकदिवसीय विश्व की हार का जख्म अभी भरा नहीं था कि 2016 के टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में मिली हार ने उस पर नमक का काम किया। इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाए। एक समय ऐसा लग रहा था कि भारत को फाइनल में जाने से कोई नहीं रोक सकता, लेकिन सिमनस की बल्लेबाजी ने भारत को मात दे दी। वेस्टइंडीज ने 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। 2019 के एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला न्यूजीलैंड के साथ था। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 239 रन बनाए थे। बारिश के चलते भारत दूसरे दिन बल्लेबाजी करने मैदान में उतरा। टॉप ऑर्डर के फ्लाप होने के बाद रिषभ, हार्दिक ने उम्मीद बधाई। इसके बाद धोनी और जडेजा ने टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन धोनी के रन आउट होते ही भारत की उम्मीद टूट गई। भारत यह मैच 18 रन से हार गया था।

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने खींच दी हैं भविष्य की राजनीतिक रेखाएं

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने भविष्य की राजनीतिक रेखाएं भी खींच दी हैं। अनारक्षित वर्ग को आर्थिक आरक्षण की वैधता ने आने वाले समय में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग में भी इसे लागू करने की मांग की नींव रख दी है देश की सर्वोच्च अदालत की पांच सदस्यीय संविधान पीठ द्वारा शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्लूएस) वर्ग को 10 फीसदी आरक्षण देने संबंधी 103वें संविधान संशोधन को बहुमत से सही ठहराए जाने के बाद अनारक्षित वर्ग के गरीबों को आरक्षण का रास्ता साफ हो गया है। अधिकांश राजनीतिक दलों ने इसका स्वागत किया है, लेकिन इस फैसले के साथ कई अहम सवाल भी उठ रहे हैं। पहला तो यह कि क्या आर्थिक आरक्षण देश में समानता के सिद्धांत का विरोधी है, दूसरा, आर्थिक आधार पर आरक्षण अनारक्षित वर्ग को ही क्यों, तीसरे क्या भविष्य में आरक्षण का मुख्य आधार आर्थिक पिछड़ापन ही बनेगा, चौथा क्या इससे सुप्रीम कोर्ट के 1992 के फैसले कि 'देश में आरक्षण 50 फीसदी से अधिक नहीं हो सकता' का यह उल्लंघन है और पांचवा यह कि इस देश में आरक्षण की बैसाखी आखिर कब तक कायम रहेगी ये तमाम सवाल संविधान की पीठ में शामिल जजों ने भी उठाए हैं, जिनके उत्तर हमें खोजने होंगे और कल को देश का सामाजिक ताना बाना और राजनीतिक दिशा भी उसी से तय होगी।इस दूरगामी फैसले में पांचो जजों में एक बात पर सहमति दिखी कि आर्थिक आधार पर आरक्षण संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन नहीं है। पीठ में शामिल जस्टिस दिनेश माहेश्वरी ने अपने निर्णय में कहा- 103वें संविधान संशोधन को संविधान के मूल ढांचे को भंग करने वाला नहीं कहा जा सकता। ईडब्ल्यूएस आरक्षण समानता संहिता या संविधान के मूलभूत तत्वों का उल्लंघन नहींऔर 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण सीमा का उल्लंघन बुनियादी ढांचे का उल्लंघन भी नहीं करता है, क्योंकि यहां आरक्षण की उच्चतम सीमा केवल 16 (4) और (5) के लिए है।जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की राय में 103वें संविधान संशोधन को भेदभाव के आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता। ईडब्लूएस कोटे को संसद द्वारा की गई एक सकारात्मक कार्रवाई के रूप में देखा जाना चाहिए। इससे अनुच्छेद 14 या संविधान के मूल ढांचे का कोई उल्लंघन नहीं होता।ईडब्ल्यूएस कोटा आरक्षित वर्गों को इसके दायरे से बाहर रखकर उनके अधिकारों को प्रभावित नहीं करता है। आरक्षण जाति व्यवस्था द्वारा पैदा की गई असमानताओं को दूर करने के लिए लाया गया था। आजादी के 75 वर्षों के बाद हमें परिवर्तनकारी संवैधानिकता के दर्शन को जीने के लिए नीति पर फिर से विचार करने की जरूरत है।'जस्टिस जेबी पारदीवाला ने भी अपने फैसले में दोनों के विचारों से सहमति जताई और संशोधन की वैधता को बरकरार रखा। आरक्षण व्यवस्था पर अपनी महत्वपूर्ण टिप्पणी में जस्टिस पारदीवाला ने कहाआरक्षण अंत नहीं है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक न्याय को सुरक्षित करने का साधन है, इसे निहित स्वार्थ नहीं बनने देना चाहिए। आरक्षण अनिश्चित काल तक जारी नहीं रहना चाहिए, जिससे निहित स्वार्थ बन जाए।'गौरतलब है कि केंद्र की मोदी सरकार ने दोनों सदनो में 103वें संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दी दी। इसके तहत अनारक्षित वर्ग के लोगों को शैक्षणिक संस्थानों में और सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया था। सर्वोच्च न्यायालय का फैसला महत्वपूर्ण 12 जनवरी 2019 को राष्ट्रपति ने इस कानून को मंजूरी दी, लेकिन इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में यह कहकर चुनौती दी गई थी कि इससे संविधान के समानता के अधिकार और पचास प्रतिशत तक आरक्षण की सीमा का उल्लंघन होता है। अतः इस कानून को अवैध माना जाए। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने इस कानून को वैध माना। कानून में सालाना 8 लाख से कम आय वाले परिवारों को इकोनॉमिकली वीकर सेक्शन्स (ईडब्लूएस) मानते हुए सरकारी और निजी शैक्षिक तथा सरकारी नौकरी में भी 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। लेकिन संविधान पीठ के ही जस्टिस एस. रवींद्र भट ने अपने निर्णय में ईडब्ल्यूएस आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन पर असहमति जताते हुए उस रद्द कर दिया। जस्टिस भट ने अन्य तीन न्यायाधीशों के फैसले पर असहमति जताते हुए कहा 103 वां संशोधन संवैधानिक रूप से प्रतिबंधित भेदभाव की वकालत करता है।

खतरों से जूझती सड़क सुरक्षा, राज्य सरकारों के सक्रिय सहयोग के बिना कुछ ठोस हासिल नहीं होगा

इसे कड़वा सत्य कहें या बार-बार दोहराया जाने वाला तथ्य कि भारत में अस्वाभाविक मृत्यु के मामलों में सबसे अधिक मौतें सड़क दुर्घटनाओं में होती हैं। युद्ध, हत्या और दंगों जैसे तमाम मानव जनित कारकों के अतिरिक्त प्राकृतिक आपदाओं के कारण देश में कुल जितनी मौत होती हैं, उससे अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। यह तब है जब भारत में वैश्विक वाहनों की कुल संख्या के मात्र एक प्रतिशत वाहन ही हैं, जबकि दुनिया भर में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली 11 प्रतिशत मौतें भारत में होती हैं। विश्व भर में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में हम तीसरे पायदान पर हैं तो जानलेवा सड़क हादसों में अव्वल आने का कलंक भी हमारे माथे है। सरकार ने सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है। मोटर वाहन अधिनियम में विधायी परिवर्तन किए गए हैं। इनमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के लिए पहले से अधिक सजा और हर्जाने का प्रविधान किया गया है। वहीं, राहत एवं बचाव के काम में तत्परता दिखाने वाले लोगों को कानूनी संरक्षण प्रदान दिया गया है। ये स्वागतयोग्य कदम हैं। अफसोस कि जमीनी स्तर पर ठोस सुधार किए जाने अभी शेष हैं। आरंभिक बिंदु ड्राइवरों की कुशलता से जुड़ा है। औपचारिक रूप से प्रशिक्षित ड्राइवरों की संख्या बहुत कम है। देश में अधिकांश लोगों के ड्राइविंग सीखने की प्रक्रिया अत्यंत अनौपचारिक एवं असुरक्षित है। आवश्यकता के अनुपात में ड्राइविंग स्कूलों की संख्या बेहद कम है। इन गिने-चुने स्कूलों में भी प्रशिक्षित कर्मियों और संसाधनों का सर्वथा अभाव दिखता है। साधारणतः ड्राइविंग सीखने के इच्छुक अधिकांश लोग आवासीय कालोनियों अथवा कम व्यस्त सड़कों में ऐसे प्रशिक्षकों से वाहन चलाना सीखने का प्रयास करते हैं, जो इस कार्य के लिए अनुभवी भले हों, लेकिन औपचारिक रूप से प्रशिक्षित तो कतई नहीं। प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षु और प्रशिक्षक के दोहरे नियंत्रण वाले विशेष वाहनों के साथ ही ड्राइविंग सीखने के लिए विशिष्ट रूप से चिह्नित क्षेत्र मुश्किल से ही उपलब्ध हैं। आभासी प्रशिक्षण के लिए सिमुलेशन तकनीक का उपयोग भी अभी अत्यंत दुर्लभ है। लाइसेंसिंग प्रक्रिया भी कुप्रबंधन से ग्रस्त है। डिजिटलीकरण ने भले ही आवेदकों की प्रत्यक्ष उपस्थिति सुनिश्चित की हो, मगर अपर्याप्त अवसंरचना के कारण अधिकांश लाइसेंस बिना वास्तविक परीक्षण के ही जारी हो जाते हैं। हमारे हाईवे सबसे असुरक्षित सड़कों में से हैं। इनमें से अधिकांश एलिवेटेड नहीं हैं। साइड फेंसिंग और सेंट्रल डिवाइडर टूटे हैं, जिससे बेसहारा जानवर, लापरवाह राहगीर और वाहन एकाएक सामने आ जाते हैं। हाईवे पर दो यू-टर्न के बीच दूरी को लेकर भी एक नियमावली है, लेकिन अधिक दूरी तय करने से बचने की जुगत में हम अपनी सुविधा के लिए डिवाइडर तोड़कर यू-टर्न बना लेते हैं। विपरीत दिशा से आने वाले वाहन भी गाहे-बगाहे से कुछ अधिक ही दिखाई दे जाते हैं। आंकड़े बताते हैं कि ओवर स्पीडिंग और लापरवाह ड्राइविंग ही सड़क दुर्घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। ट्रैफिक पुलिस गति सीमा उल्लंघन, शराब पीकर गाड़ी चलाने या खतरनाक ड्राइविंग के लिए कितनी बार चालान करती है विशेष रूप से छोटे शहरों की स्थिति खासी लचर है। अत्यंत चर्चित सायरस मिस्त्री दुर्घटना ने पिछली सीट पर बैठे यात्रियों के लिए सीट बेल्ट की अनिवार्यता को उजागर अवश्य किया, लेकिन इसके अनुपालन की गंभीरता किसी से छिपी नहीं है। दोपहिया वाहनों को एक्सप्रेस-वे पर अनुमति नहीं है। भारी वाहनों को भी बाईं लेन में चलना होता है। ओवरटेकिंग हमेशा दाईं ओर से होनी चाहिए। लेन ड्राइविंग ही समझदारी वाली ड्राइविंग होती है। ध्यान बंटाने वाले होर्डिंग्स एक्सप्रेस-वे पर प्रतिबंधित होते हैं। ठोस क्रियान्वयन के अभाव में ऐसी सभी बातें केवल कागजी प्रतीत होती हैं। हमारी सड़कें अतिक्रमण की शिकार हैं। फुटपाथ विलुप्त हो गए हैं। रखरखाव पर निवेश बहुत कम है। निर्माण और मरम्मत का काम सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर होता है। सड़कों की डिजाइन में खामियां और ब्लाइंड स्पाट्स अर्से से कायम हैं। क्षमता से अधिक भार के साथ ढुलाई करने वाले मालवाहक वाहनों से बाहर निकलते सरिये सदैव हादसों को आमंत्रण देते हैं। बड़ी संख्या में भारतीय सड़कें वाहनों की आवाजाही के लिहाज से पर्याप्त चौड़ी नहीं हैं। ऊपर से यातायात के नाना प्रकार के साधनों का बोझ स्थिति को और बदतर बना देता है। वाहनों की इतनी विविधता आवाजाही को स्वाभाविक रूप से शिथिल करने के साथ ही संभावित संघर्षों की आशंका बढ़ाती है। हम ट्रैफिक जाम से जूझते हैं, जो रोड रेज के मामलों का एक अहम कारक होता है। उत्तर प्रदेश के एक जिले में प्रशासन की मंशा गंगा स्नान के अवसर पर ट्रैक्टर-ट्राली से आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने की थी, किंतु परंपरा के नाम पर दबाव में आकर अंततः उसे इसकी अनुमति देनी पड़ी। अचरज की बात यह है कि परंपरा स्नान की है या फिर आवाजाही के साधन की! सोचिए कि सड़कों पर बैलगाड़ियों और एक्सप्रेस-वे पर दोपहिया वाहनों का विरोध किसी को अभिजात्य बनाता है या जिम्मेदार नागरिक? स्पष्ट रूप से हमें बेहतर रणनीति बनाने और उसे प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता है। वैश्विक स्तर पर सड़क सुरक्षा 5-ईज के इर्दगिर्द घूमती है-एजुकेशन यानी शिक्षा, इनफोर्समेंट यानी प्रवर्तन, इंजीनियरिंग यानी डिजाइन, एनवायरमेंट यानी पर्यावरण और इमरजेंसी यानी तत्काल राहत एवं बचाव। इन पहलुओं पर हम अपेक्षित स्तर से खराब स्थिति में हैं। सार्वजनिक परिवहन में निवेश बहुत महत्वपूर्ण होगा। यह सुरक्षा को बढ़ाने, ट्रैफिक और प्रदूषण को घटाने में सक्षम है। राज्य सरकारों के सक्रिय सहयोग के बिना कुछ ठोस हासिल नहीं हो सकता। केंद्र सरकार संसाधन उपलब्ध करा सकती है, मगर जमीनी स्तर पर उन्हें साकार करना तो मुख्य रूप से राज्यों के दायरे में आता है। यह सही है कि जनभागीदारी के अभाव में कोई कायाकल्प संभव नहीं। हमारी असंवेदनशीलता एवं नियमों की बेखौफ अवहेलना का कारगर तोड़ ऐसे तंत्र के निर्माण में निहित है, जो शिक्षित, प्रशिक्षित करने के साथ ही संवेदनाओं और कानून प्रवर्तन की दृष्टि से भी प्रभावी हो। जब तक हम उस प्रत्येक जीवन की रक्षा करने में सक्षम नहीं होते, जिसे बचाया जा सकता हो, तब तक विकसित देश बनने के लक्ष्य से पीछे रहेंगे। यह सही है कि सड़क हादसों पर पूरी तरह विराम नहीं लगाया जा सकता, लेकिन कम से कम उन्हें घटाया तो जा ही सकता है।

कौशल एवं आत्मनिर्भरता का संकल्प

नोबल पुरस्कार के विजेता पॉल क्रुगमैन ने भारत में अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा था कि 'जापान अब एक महाशक्ति नहीं रह गया है, क्योंकि इसकी कामकाजी उम्र ढल गई है, चीन का भी यही हाल है। ऐसी स्थिति में, पूरे एशिया में भारत नेतृत्व कर सकता है, लेकिन तब जब वह सेवाप्रदाता क्षेत्रों के साथ-साथ अपने विनिर्माण क्षेत्र को भी विकसित करे।' भारत की मौजूदा उच्च शिक्षा प्रणाली से प्रति वर्ष लगभग 3.7 करोड़ विद्यार्थी डिग्री लेकर देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के सोपानक्रम से स्वयं को जोड़ने का संकल्प लेते हैं, लेकिन सवाल है कि क्या हमारे उपाधि धारक अकादमिक रूप से समृद्ध होने के साथ-साथ समाज के योग्य नागरिक बनने और समकालीन युग की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं निश्चित रूप से हमारी शिक्षा-प्रणाली उस स्तर की होनी चाहिए जिससे राष्ट्र के साथ-साथ समाज का भी चौतरफा व समुचित विकास हो सके। शिक्षा का लक्ष्य अन्ततः एक ऐसे उन्मुक्त और आत्मविश्वास से भरे व्यक्ति का निर्माण करना होता है जो सभी विपरीत परिस्थितियों व चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके। ऐसे में निःसन्देह किसी राष्ट्र की शिक्षा की गुणवत्ता ही उसके राष्ट्रीय विकास के स्तर का आइना है।भारत जैसे बहुभाषी राष्ट्र में उच्च-शिक्षा के क्षेत्र के विकास-विस्तार में हमारे विश्वविद्यालयों की अहम भूमिका है। भारतीय उच्च शिक्षा-प्रणाली में केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय, डीम्ड विश्वविद्यालय और निजी विश्वविद्यालय शामिल हैं।पिछले कुछ वर्षों में, खासकर स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, उच्च शिक्षा क्षेत्र में विश्वविद्यालयों, विश्वविद्यालय स्तर के संस्थानों, कॉलेजों आदि की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालयों की संख्या 1950 में 20 थी, जो अब 54 केन्द्रीय, 455 राज्य, 126 डीम्ड और 421 निजी विश्वविद्यालयों के साथ लगभग 1000 को पार कर गई है। भारत की उच्च शिक्षा-प्रणाली के पास वर्तमान में विकास, गुणवत्ता और समान पहुंच जैसे कई उद्देश्यों को प्राप्त करने का दबाव है। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है जहां सबसे ज्यादा सार्वजनिक वित्तपोषित उच्च शिक्षा-प्रणाली की संस्थाएं हैं। अनुमान लगया जा रहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के कारण अधिक भौगोलिक गतिशीलता, बढ़ती हुई स्पर्द्धाओं, अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण व नए कौशल की मांग के चलते भारतीय शिक्षा-प्रणाली अधिक आकर्षक बनेगी और तद्नुसार भारत में पंजीयन व नामांकन की मांग भी दिन-ब-दिन बढ़ती जाएगी। इस संदर्भ में नवीनतम शिक्षण-सामग्री एवं समृद्ध शिक्षण संसाधनों ने नवीनतम अवधारणाओं को बेहतर तरीके से सीखने व समझने के साथ-साथ हम सभी के लिए अद्वितीय शिक्षण अनुभव से गुजरने का अनोखा अवसर प्रदान किया है। प्रौद्योगिकी समर्थ शिक्षा ने शैक्षणिक संस्थानों को छात्र-छात्राओं के लिए नवीनतम सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ सीखने की नई योजना बनाने, उन्हें क्रियान्वित करने, उनका समुचित मूल्यांकन करने व निगरानी करने का मानो एक नया द्वार खोल दिया है। परिणामस्वरूप मौजूदा दौर के समुन्नत शिक्षण संस्थानों से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं की रोजगार क्षमता बहुत बढ़ गई है।शिक्षा ही सामाजिक न्याय तथा समानता हासिल करने का एकमात्र व अचूक साधन है। समावेशी और न्यायसंगत शिक्षा, जो अपने आप में एक परमावश्यक लक्ष्य है, एक समावेशी और न्यायसंगत समाज के लिए भी बहुत ही महत्त्वपूर्ण है, जहां प्रत्येक नागरिक को सपने देखने, फलने-फूलने और राष्ट्र के लिए अपना बहुमूल्य योगदान देने का खास अवसर मिले। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारत सरकार द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हमारे उच्च शिक्षा के हितधारकों के लिए शिक्षा का नया मार्ग प्रशस्त करने वाली नीति है। सच कहा जाए तो यह एक नए युग की शुरुआत ही है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत को एक शिक्षा केन्द्र के रूप में संस्थापित करना है। वास्तव में, एक सुदृढ़ ज्ञानात्मक समाज बनाने के मद्देनजर, जिसमें वास्तव में मानव सम्पदा, भौतिक संसाधनों और पारम्परिक व स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों का अनोखा सम्मिश्रण मौजूद है, एक कारगर पहल है। इस महत्त्वपूर्ण नीति का उद्देश्य है- मनुष्य की समस्त क्षमताओं को विकसित करना। एक समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का उद्देश्य सदैव मानव की सभी क्षमताओं, बौद्धिक, सौन्दर्यात्मक, सामाजिक, शारीरिक, भावनात्मक व नैतिकता आदि गुणों को एकीकृत तरीके से विकसित करना है। भारतवर्ष एक युवा राष्ट्र है जहां की युवा आबादी उत्कृष्टता की ओर सदा उन्मुख रही है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि भारत सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में, पश्चिम के अधिकांश और जापान व चीन जैसे देशों की तुलना में, अतिरिक्त 2 प्रतिशत अधिक है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

दुनिया के विकसित देश बेशक मंदी के कगार पर हैं, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था अब भी मजबूत बनी हुई है। मंदी के प्रमुख कारकों, चाहे वह जीडीपी हो, बेरोजगारी दर हो या फिर महंगाई दर, सभी मामलों में भारत दुनिया के विकसित देशों से बेहतर स्थिति में है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने हाल ही में कहा कि विश्व की अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ रही है और वित्त वर्ष 2021 में वैश्विक वृद्धि दर छह प्रतिशत रहने के बाद चालू वित्त वर्ष में वैश्विक वृद्धि दर घटकर 3.2 प्रतिशत रह सकती है और वित्त वर्ष 2023 में इसमें 2.7 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर अनुमान को भी घटाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। फिर भी, यह चीन के वृद्धि दर अनुमान से बेहतर है। बावजूद इसके, कयास लगाए जा रहे हैं कि भारत भी मंदी की गिरफ्त में आने वाला है। जब किसी देश की वृद्धि दर सुस्त पड़ने लगती है, बेरोजगारी दर में इजाफा होता है और महंगाई दर ऊंची रहती है, तो उसके मंदी की गिरफ्त में आने की आशंका रहती है। किसी देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अगर दो तिमाहियों में लगातार गिरावट दर्ज होती है, तो भी वह देश मंदी की गिरफ्त में आ जाता है। भारत में जीडीपी वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 13.5 प्रतिशत रही और पिछले वित्त वर्ष के जनवरी से मार्च, 2022 के दौरान 4.1 प्रतिशत। वहीं, वित्त वर्ष 2021-22 की दिसंबर तिमाही के दौरान यह 5.4 प्रतिशत रही, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान जीडीपी वृद्धि दर 8.7 प्रतिशत रही। बेरोजगारी के मोर्चे पर भी भारत का प्रदर्शन बेहतर हो रहा है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान सभी उम्र वर्ग में शहरी बेरोजगारी की दर 7.6 प्रतिशत रही, जो अप्रैल में 9.22 प्रतिशत, मई में 8.21 प्रतिशत और जून में 7.3 प्रतिशत रही।

जाति को तोड़ता जन कल्याण का मंत्र, गरीबों से जुड़ी योजनाओं से बढ़ता भाजपा का जनाधार

भारत का चुनावी इतिहास इसका साक्षी है कि उपचुनाव तभी चर्चा में आते हैं, जब सत्तारूढ़ दल की हार होती है। इस दृष्टि से हाल में संपन्न छह राज्यों के उपचुनाव परिणाम भाजपा के लिए सुखद संदेश देने वाले हैं। भाजपा शासित उत्तर प्रदेश में पार्टी ने बड़े अंतर से जीत हासिल की और हरियाणा में कांग्रेस से सीट छीनी, वहीं गैर-भाजपाई दलों द्वारा शासित बिहार और ओडिशा में अपनी सीटों को बचाया। तेलंगाना के परिणाम भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यहां भाजपा 2018 के मुकाबले 73 हजार से अधिक वोट प्राप्त करके कड़े मुकाबले के बाद हारी। आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से ये परिणाम क्षेत्रीय दलों के लिए बेहतर नहीं। ओडिशा में दो दशकों बाद बीजद का पहली बार उपचुनाव हारना, तेलंगाना में भाजपा का प्रमुख विपक्षी के रूप में उभरना और बिहार में अपनी सीट बचाए रखना नरेन्द्र मोदी के 2024 के दावे को मजबूती देता है। बिहार में अगस्त 2022 में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद पहली बार उपचुनाव हुए। मोकामा विधानसभा सीट हारने के बावजूद यहां भाजपा की हार का अंतर 2020 के मुकाबले 35 हजार वोटों से घट कर 16 हजार रहा। गोपालगंज में विपक्षी मतों के ध्रुवीकरण के बावजूद भाजपा जीतने में सफल रही। बिहार में नीतीश कुमार के पाला बदलने से बने नए सामाजिक समीकरणों के कारण अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का आकलन है कि आगामी लोकसभा चुनाव भाजपा के लिए टेढ़ी खीर साबित होंगे। इस आकलन का आधार 2015 के विधानसभा चुनाव हैं, जिनमें महागठबंधन से भाजपा को हार मिली थी, पर यह आकलन करते समय पिछले सात वर्षों में बिहार के राजनीतिक धरातल में आए परिवर्तनों को नहीं समझा जा रहा। यह समझना होगा कि 2015 के चुनाव के समय केंद्र की मोदी सरकार सिर्फ एक वर्ष पुरानी थी। वहीं अब तक मोदी सरकार ने बिहार में 32 लाख आवास, 1.2 करोड़ शौचालय, 85 लाख उज्ज्वला गैस और 75 लाख आयुष्मान कार्ड दिए हैं। किसान सम्मान निधि द्वारा 85 लाख किसानों को 17 हजार करोड़ रुपये की मदद और गरीब कल्याण योजना से 8.7 करोड़ परिवारों को मुफ्त राशन दिया है। गरीब कल्याण के इन प्रयासों से आठ वर्षों में बिहार की 'आकांक्षी' जनता अब 'लाभार्थियों' में परिवर्तित होकर मजबूती के साथ नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ी है। ध्यान रहे कि केंद्रीय योजनाओं के अधिकांश लाभार्थी पिछड़े और दलित समाज से आते हैं। महागठबंधन के पक्ष में एक तर्क उसके सामाजिक आधार को लेकर दिया जाता है, जिसमें 13 प्रतिशत सवर्णों को छोड़ सभी जातियों और मुस्लिमों को महागठबंधन के खाते में डालकर 15-85 की लड़ाई का नारा दिया जाता है। इस आकलन के अनुसार लगभग 30 प्रतिशत मुस्लिम और यादव के ऊपर नीतीश कुमार के कारण महागठबंधन में लगभग 53 प्रतिशत पिछड़ों और दलितों के अतिरिक्त वोट जोड़े जाते हैं। जमीनी हकीकत भिन्न है, क्योंकि 2014 के आम चुनावों में अकेले लड़ने पर जदयू का मत प्रतिशत 15.8 प्रतिशत रहा था और 2020 में भाजपा के साथ चुनाव लड़ने के बावजूद जदयू को अपनी सीटों पर सिर्फ 32.8 प्रतिशत वोट मिले, जबकि भाजपा के हिस्से 10 प्रतिशत अधिक 42.8 प्रतिशत वोट आए। इससे स्पष्ट है कि जदयू का कथित पिछड़ा, अतिपिछड़ा और दलित जनाधार जुमले के सिवा और कुछ नहीं। उपचुनावों में भाजपा को मोकामा और गोपालगंज में क्रमशः 42.2 और 41.6 प्रतिशत वोट मिले, जबकि यहां सवर्णों की संख्या 18 और 15 प्रतिशत ही है। स्पष्ट है बड़ी संख्या में पिछड़ों और दलितों ने भाजपा को वोट दिया। राजनीति में सामाजिक समीकरण अंकगणित नहीं, बल्कि रसायनशास्त्र के आधार पर बनते हैं। 1990 से 2005 के बीच बिहार की राजनीति में यादव और मुस्लिम समाज का दबदबा रहा, जिसके कारण अन्य सभी वर्ग हाशिये पर रहे। नीतीश कुमार का उदय इसी पृष्ठभूमि में गैर-यादव और मुस्लिम के समर्थन से हुआ। दूसरी ओर 2005 से 2022 तक (बीच में 2015-17 को छोड़कर) यादव और मुस्लिम हाशिये पर रहे। राजद और जदयू के मिलन से उनके सामाजिक आधार का मिलन सामाजिक अंतर्विरोध के कारण संभव नहीं है। बिहार में एक लंबे समय तक भाजपा को सवर्णों की पार्टी बताकर अन्य वर्गों में भ्रांति पैदा की गई, लेकिन 2014 के आम चुनाव के बाद भाजपा ने इस भ्रांति को दूर करने के प्रयास किए हैं। आज भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष पिछड़े वर्ग के हैं। पिछली सरकार में दोनों उपमुख्यमंत्री पिछड़े थे और 2015 की विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी पिछड़े थे। भाजपा टिकट वितरण में भी लगातार पिछड़ों की भागीदारी बढ़ा रही है। पिछड़े वर्ग से आने वाले भाजपा के सर्वोच्च नेता नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज बिहार भाजपा का कलेवर पूरी तरह बदला दिखता है। यह विपक्ष की पिछड़ों के ध्रुवीकरण की रणनीति को कुंद करने में सक्षम है। नीतीश कुमार की पीएम पद के लिए विपक्ष के साझा उम्मीदवार की दावेदारी के विफल प्रयास के बाद 2024 में वोटरों के पास भाजपा के अतिरिक्त कोई और विकल्प नहीं बचता। उपचुनावों के परिणाम और पिछले सात वर्षों में बिहार की राजनीति में आए आमूलचूल परिवर्तन के आधार पर यह कहा जा सकता है कि आगामी लोकसभा चुनावों में महागठबंधन द्वारा भाजपा को कमजोर करके आंकना बहुत बड़ी भूल होगी।

संक्षिप्त समाचार

इमरान का आजादी मार्च फिर से शुरू कहा- हमारे हौसले बुलंद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान घायल होने के बाद फिर से आजादी का मार्च शुरु हो गया है। सत्तारूढ़ पीएमएल-एन गठबंधन सरकार के खिलाफ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी आजादी मार्च के जरिये

अपनी आवाज बुलंद कर रही है। वहीं इमरान ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि वह सड़कों से अवरोधों को हटा दें। बता दें कि पिछले हफ्ते उनको जान से मारने के इरादे से एक आरोपी ने गोली चला दी थी, जो उनके पैर पर लगी थी। जिसके बाद उनके प्रशंसकों ने रास्ते जाम कर दिए थे। एएनआई के मुताबिक पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (झऊध्) के प्रमुख इमरान खान ने शुक्रवार को हकीकी आजादी मार्च फिर से शुरू होने पर सड़क नाकाबंदी समाप्त करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया। इमरान खान ने ट्वीट करते हुए लिखा कि हकीकी आजादी के लिए हमारा लंबा मार्च एक बार फिर से शुरू हो गया है, मैं अपने सभी कार्यकर्ताओं से तत्काल प्रभाव से सड़क अवरोधों को समाप्त करने का आह्वान कर रहा हूं।

यूक्रेन ने रूस पर तेज किए जवाबी हमले 50 सैनिक ढेर

नष्टकीव। यूक्रेन ने रूस पर जवाबी हमले तेज कर दिए हैं। रूस द्वारा मिसाइल अटैक किए जाने के बाद अब यूक्रेन की सेना एक्टिव मोड में आ गई है। यूक्रेन ने बीते दिन ही खेरसान क्षेत्र से रूस के सैनिकों को वापिस भगाने का काम किया है और अब यूक्रेनी सेना ने रूस के 2 गुप्तठिकानों को निशाना बनाया है। यूक्रेन ने दावा किया है कि इस जवाबी हमले में रूस को काफी नुकसान हुआ है। रूस के 50 सैनिक मारे गए हैं और 3 टैंकों को नष्ट कर दिया गया है। वहीं, एक ई्-ए स्व-चालित होवित्जर और 11 बख्तरबंद गाड़ियों को तहस नहस कर दिया है। यूक्रेन जल्द ही खेरसान को भी दोबारा अपने कब्जे में ले सकता है। बीते दिन ही यूक्रेनी सेना ने कई दर्जन शहरों को अपने कब्जे में ले लिया और वहीं रूसी सेना द्वारा छोड़ी गई दर्जनों बारूदी सुरंगों वाली बस्तियों को भी पुनः प्राप्त कर लिया है। यूक्रेन के एक सैन्य विश्लेषक ने कहा कि गुरुवार रात को संकेत मिले हैं कि यूक्रेनी सेनाएं निप्रो नदी के मुहाने पर एक बंदरगाह से खेरसान शहर के करीब पहुंच रही हैं।

सेक्टर-52 प्रांतीय पशिचम उत्तर प्रदेश के कांग्रेस के अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी का भव्य स्वागत कार्यकर्ताओ ने किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव पूर्व नोएडा महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव के सेक्टर-52 के निवास पर कांग्रेस पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी जी का भव्य स्वागत किया गया एव युवाओं व महिलओं को कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई पूर्व कैबिनेट मंत्री कांग्रेस पार्टी के प्रांतीय पश्चिम उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी जी ने कहा कि देश को युवाओं की बहुत जरूरत है और कांग्रेस पार्टी ही इस देश को चला सकती है आप सभी का हम कांग्रेस पार्टी में स्वागत करते है,युवाओ की भागीदारी से पार्टी को मजबूती मिलेगी,सभी काँग्रेस कार्यकर्ताओ को एकजूट मिलकर काम करने की जरूरत है आगमी लोकसभा चुनाव में काँग्रेस पार्टी को जिताने का काम हम सबको मिलकर करना होगा,उत्तर प्रदेश के सचिव पूर्व महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा की काँग्रेस पार्टी हर वर्ग को साथ लेकर चलती है काँग्रेस पार्टी ने हमेशा जनता के लिए आवाज उठाई है भाजपा ने जनता के साथ धोखा किया है लेकिन जनता अब आगमी लोकसभा चुनाव का इंतजार कर रही,भाजपा के राज में किसानों पर अत्याचार हो रहा,महानगर अध्यक्ष राम कुमार तंवर ने कहा है कि एक साथ मिलकर पार्टी को मजबूत करंगे,स्वागत में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव पूर्व अध्यक्ष मुकेश यादव,महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर,पीसीसी सदस्य यतेंद्र शर्मा,पीसीसी पवन शर्मा,आउट्विट के प्रदेश महासचिव विक्रम चौधरी,वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री सलोनी,जावेद खान,जीशान चौधरी,धनंजय पांडे,इंद्रजीत तिवारी,पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष परवेज,कांग्रेस में जॉइन होई साइन,रिया पायल गुप्ता,सुमन तिवारी,प्रीति सिंह,रेखा कुमारी,दया कुमारी,रूबी रीठा,मीना खान,सविता शर्मा आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे हैं।

तक्षशिला और नालंदा जैसे अग्रणी उच्च संस्थानों की विरासत को आगे बढ़ाने की जरूरत- उपराज्यपाल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) और गलगोटिया विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 10 नवंबर को दो दिवसीय अखिल भारतीय कुलपति सम्मेलन का भव्य शुभांरभ हुआ। जिसमें उत्तरी क्षेत्र स्थित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने शिरकत की। दिल्ली के उपराज्यपाल माननीय विनय कुमार सक्ससेना, एआईयू के अध्यक्ष प्रो0 सुरंजन दास और गलगोटिया विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति सुनील गलगोटिया ने दीप प्रज्ज्वलन करते हुए सम्मलेन का शुभारम्भ किया। माननीय उपराज्यपाल ने सभागार को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के वर्तमान विश्वविद्यालय तक्षशिला और नालंदा जैसे अग्रणी उच्च संस्थानों की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। भारतीय शिक्षक महान आर्यभट, चाणक्य और रवींद्र नाथ टैगोर के उत्तराधिकारी हैं। भारत ने उच्च शिक्षा के लिए हमेशा ठोस कदम रखे हैं और साथ ही साथ आईआईटी, और एम्स जैसे नए उच्च संस्थान स्थापित किए हैं। गलगोटियाज विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति सुनील गलगोटिया और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ध्रुव गलगोटिया ने मुख्य अथिति को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए सम्मानित किया। माननीय कुलाधिपति सुनील गलगोटिया ने सभी को संबोधित करते हुए (भारतीय विश्वविद्यालय संघ) और आये हुए शिक्षाविदों का आभार प्रकट किया।इस सम्मलेन का विषय परिवर्तनकारी उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण करना है। जिसमे हिमाचल-प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, उत्तर-प्रदेश और दिल्ली सहित उत्तरी क्षेत्र के लगभग 100 कुलपति व्यक्तिगत रूप से भाग लेकर अगले दो दिनों तक अंतर्राष्ट्रीय छात्र और संकाय गतिशीलता, अनुसन्धान और शिक्षण में अंतराष्ट्रीय सहयोग, विदेशों में भारतीय उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगें। अंत में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के समाचार पत्र का विशेष अंक का अनावरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ0 (श्रीमती) पंकज मित्तल ने किया। धन्यवाद ज्ञापन रजिस्ट्रार नितिन कुमार गौड़ ने दिया। इस दौरान भारतीय विश्वविद्यालयों के कुलपति, भारत सरकार के मंत्रालयों के अधिकारीगण, यूजीसी, एआईसीटीई, एनएएसी, आईसीएआर, और अन्य शीर्ष संस्थानों के अधिकारी और शिक्षा जगत के विशेषज्ञ मौजूद रहे।

प्रशिक्षण प्रद्योगिकी पर अन्तराष्ट्रीय प्रदर्शनी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। शिक्षा और प्रशिक्षण प्रौद्योगिकी उद्योग की एक महत्वपूर्ण घटना है, जो शिक्षा और प्रशिक्षण क्षेत्र के लिए विभिन्न उत्पादों और संसाधनों के निर्माताओं तथा सेवा प्रदाताओं को आकर्षित करती है। इसके तहत संस्थान के निदेशकों, प्राचार्यों, सीईओ, कारोबारी कप्तानों, मानव संसाधन पेशेवरों और प्ले स्कूल से लेकर हर स्तर के शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों तथा कॉरपोरेट्स तक को एक छत के नीचे लाया जाता है। यहां वे अपने संस्थानों और स्कूलों के लिए विभिन्न संसाधनों की वर्तमान और भविष्य की अत्यधिक मांग का समर्थन और उन्हें पूरा कर सकते हैं। यह प्रदर्शनी 11 नवंबर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में चलेगी। यह शैक्षिक प्रशिक्षण प्रौद्योगिकी समाधान पर एक अंतरराष्ट्रीय बी2बी प्रदर्शनी है । यह सभी क्षेत्रों के शिक्षकों, केजी से पीजी तक, साथ ही शिक्षा के लिए संसाधन प्रदान करने वाले निगमों के लिए एक आदर्श मंच है। प्रदर्शनी में वीआर/एआर आधारित शिक्षा, स्टीम लर्निंग, एटीएल लैब्स, वर्चुअल स्मार्ट क्लासेस, एलएमएक्स लर्निंग, ई-लर्निंग, मल्टी मीडिया टेक्नोलॉजी, प्रोजेक्शन डिवाइसेज, गेम बेस्ड लर्निंग जैसी नवीनतम तकनीक के बेहतरीन उत्पादों और रोमांचक सेवाओं का प्रदर्शन किया गया है। इंटरएक्टिव व्हाइटबोर्ड, मोबाइल लर्निंग डिवाइस आदि भी हैं। ईटी टेक एक्स अपनी तरह की प्रदर्शनी और सम्मेलन में से एक है, जो प्रशिक्षण और सीखने को सुनिश्चित करने के लिए नवीनतम तकनीक और उपकरणों को अपनाने के लिए संस्थानों की आवश्यकता को सुनिश्चित करता है। इस दौरान 200 से अधिक ब्रांड अपने माल का प्रदर्शन करेंगे। यह प्रदर्शनी एसडी प्रोमो मीडिया द्वारा आयोजित की जाती है और एमएसएमई मंत्रालय तथा एडसिल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित है। प्रमुख प्रदर्शकों में बेंक, एप्सन, व्यू सोनिक, टेकमिंट, मेटाबुक एक्सएन, विज्ञान स्मार्टक्लास, मैक्सहब, अज़वासा एजुकेशन, एडुनेक्स्ट, पॉपकॉर्न फर्नीचर, नवनीत टॉपटेक, बी-मास्टरली, नी

लकमल, जबरा कनेक्ट, मित्सुर टेक्नोलॉजीज, न्यूलाइन इंटरएक्टिव, यामाहा म्यूजिक शामिल हैं। , गोयल प्रकाशन, वर्फी, पिकानो इंडिया, ओपनिंग न्यू होराइजन्स, ड्यूक फ़र्नीचर, आईएक्सआर लैब, माइक्रोलाइन जुपसॉफ्ट, अरिहंत प्ले, उलेक्ट्ज़ आदि शामिल हैं। 150ऌ भारतीय प्रदर्शक और 20ऌ अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शक हैं। प्रदर्शनी का उद्घाटन एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त निदेशक डॉ. आरके भारती ने किया। निदेशक, एसडी प्रोमो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, श्री विवेक विक्रम ने कहा, ङ्कप्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य भारत को शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बनाना है। यह एक मजबूत सामूहिक प्रतिक्रिया है जो शिक्षा पर महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक है। तत्काल एक 'राष्ट्रीय मिशन' के रूप में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) पर एनईपी का जोर एक महान अवसर है जिसे हमें पूरा करना चाहिए। एक क्षेत्र के रूप में, हमें प्रत्येक हितधारक, विशेष रूप से माता-पिता की ताकत का लाभ उठाने की जरूरत है, ताकि उनके बच्चों के बचपन के सीखने के अनुभवों में उनकी जवाबदेही बढ़ाई जा सके। अब, पहले से कहीं अधिक, मूलभूत शिक्षा में एक आदर्श बदलाव की आवश्यकता है जिसमें बच्चे 'पढ़ने के लिए सीखते हैं' से अधिक 'सीखने के लिए पढ़ते हैं' ताकि वे स्वयं सीखने वाले बन सकें। इस 3 दिवसीय प्रदर्शनी में प्रेरक मुख्य वक्ता प्रो. डॉ. विक्रम सिंह, कुलाधिपति, नोएडा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. राज नेहरू, कुलपति, हरियाणा कौशल विश्वविद्यालय, श्री पवन कुमार शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक, एडसिल और कई अन्य सम्मेलन एजुकेटर के नेतृत्व वाले सत्र शामिल हैं जो छात्रों को जोड़ने, प्रौद्योगिकी के उपयोग, कनेक्शन स्थापित करने और शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ावा देने के लिए उपकरणों को एकीकृत करने पर केंद्रित हैं। एआई/वीआर, स्टेम और रोबोटिक्स, उद्योग-शिक्षा संस्थान भागीदारी, सोशल मीडिया, शिक्षा में कई नवीनतम चिंताओं के लिए तीन दिनों में 40ऌ कार्यशाला सत्र एक साथ और समानांतर में होंगे । जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, बिहार, एमपी, पश्चिम बंगाल और उत्तर पूर्वी राज्यों में अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों को सम्मानित करने के लिए 300ऌ पुरस्कार बांटे जाएंगे।

डिंपल संभालेंगी मुलायम सिंह की विरासत सपा ने बनाया मैनपुरी से उम्मीदवार

(आधुनिक समाचार सेवा)
मैनपुरी। लोकसभा सीट से उपचुनाव के रण में समाजवादी पार्टी ने प्रत्याशी के नाम का एलान कर दिया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को प्रत्याशी बनाया गया है। सपा ने उनके नाम की घोषणा कर दी। बता दें कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी सीट पर उपचुनाव होने जा रहा है। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अखिलेश यादव खुद करेंगे चुनाव का संचालन समाजवादी पार्टी मैनपुरी से उम्मीदवार के तौर पर डिंपल यादव के अलावा तेज प्रताप यादव और धर्मेंद्र यादव के नाम पर विचार कर रही थी, लेकिन बृहस्पतिवार को डिंपल यादव के नाम पर मुहर लग गई है। डिंपल इससे पहले कन्नौज से सांसद रह चुकी हैं। फिरोजाबाद से भी चुनाव लड़ी थी, लेकिन हार का सामना करना पड़ा था। डिंपल यादव के चुनाव का संचालन खुद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव करेंगे। डिंपल का सियासी सफर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव का राजनीतिक करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। डिंपल अपना पहला चुनाव हार गई थीं, लेकिन इसके बाद भी उन्होंने अपना आत्मविश्वास बनाए रखा। उनके भाषणों में शालीनता साफ दिखती है, यही वजह है कि वह कम समय में ही लोगों के दिलों में उतरती चली गईं। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की दो सीटों फिरोजाबाद और कन्नौज से चुनाव लड़ा। बाद में अखिलेश ने फिरोजबाद सीट छोड़ दी थी। उपचुनाव में डिंपल को वहां से उम्मीदवार बनाया। लेकिन डिंपल कांग्रेसी नेता राज बब्बर से चुनाव हार गईं थी। कन्नौज से जीता पहला चुनाव अखिलश यादव के कन्नौज लोकसभा सीट छोड़ने के बाद वहां 2012 में उपचुनाव हुआ। सपा ने इस बार भी डिंपल यादव पर भरोसा जताया। इस चुनाव में बसपा, कांग्रेस, भाजपा ने उनके खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारा जबकि, दो लोगों के नामांकन वापस लेने के बाद डिंपल निर्विरोध चुनाव जीतने में कामयाब रहीं। वहीं 2014 लोकसभा चुनाव में भी वह कन्नौज सीट बचा ले गईं थी। हालांकि 2019 के चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

पापी से पापी आत्मा को भी मुक्त करती है श्रीमद् भागवत कथा- चिन्मयानंद बापू

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। महर्षि आश्रम महर्षि नगर नोएडा के रामलीला मैदान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस में परम पूज्य संत श्री चिन्मयानंद बापू जी ने कहा श्रीमद् भागवत कथा ही एकमात्र ऐसी कथा है इसके अंदर जीवित व्यक्ति के साथ साथ मरे हुए व्यक्ति को भी मुक्त करने का सामर्थ है कोई भी व्यक्ति कितना भी पाप किया हो जीवन भर कितनी भी गलत कार्यों में लिप्त रहा हो ऐसी व्यक्ति के मृत्यु के पश्चात यदि उसके नाम से श्री मद्भागवत कथा कर दी जाए सुबह भी मुक्त हो जाता है श्री बापू जी ने कहा की भागवत कथा के अंदर गोकर्ण धुंधकारी संवाद में हमें यही बताया गया कि जीवन भर धुंधकारी ने पाप किया और बाद में गोकर्ण ऋषि ने उनके नाम से श्रीमद् भागवत कथा का गान किया और वह मुक्त हुए बापूजी ने कहा कि जहां पर भागवत कथा होती है वहां पर उस समय में सारे तीर्थ सारी नदियां सारे देवता विचरण करते हैं श्रीमद् भागवत कथा कल्पतरू की तरह है जिसकी शरण में बैठने पर हमारी सारी मनो कामनाएं भागवत कथा पूर्ण करती है बापूजी ने कहा कि भागवत कथा में जो व्यक्ति जिस मनसा के साथ बैठता है उसकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं लेकिन व्यक्ति की भावना पवित्र हो और संसार के मंगल की कामना उसके मन में हो ऐसे व्यक्ति की मनोकामना भागवत कथा से पूर्ण होती है बापूजी ने कहा कि भागवत कथा मैं ऐसा समर्थ है भक्ति मैया के दोनों पुत्र ज्ञान वैराग्य वृंदावन की भूमि पर वृद्ध हो गए थे लेकिन जब श्रीमद् भागवत कथा का ज्ञान नारद जी ने सनकादिक ऋषि यों से कराया तो वृंदावन की धरा पर जो ज्ञान वैराग्य वृद्ध हो गए थे वह भी चेतन अवस्था में आकर नृत्य गान करने लगे और उनके साथ भक्ति मैया भी नृत्य करने लगी बापूजी ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण का बांग मय स्वरूप श्रीमद् भागवत कथा है।

पुरानी पेंशन बहाली को 2024 में चुनावी वादा बनाएगी कांग्रेस, नौकरीपेशा मध्यम वर्ग को पार्टी से जोड़ने की कोशिश

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है, गुजरात में यह गरमाने लगा है। विधानसभा चुनाव के नतीजे बताएंगे कि जनता किस मुद्दे पर वोट करती है लेकिन कांग्रेस मन बना चुकी है कि नौकरीपेशा मध्यम वर्ग से टूटे तार जोड़ने के लिए पुरानी पेंशन स्कीम को गरमाया जाएगा। संकेत है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली को अहम चुनावी मुद्दा बनाएगी। रेवड़ी संस्कृति पर आर्थिक विशेषज्ञों की ओर से सवाल खड़े हो रहे हैं।हिमाचल चुनाव से जुड़े पार्टी के वरिष्ठ रणनीतिकारों ने प्रचार अभियान थमने के बाद स्वीकार किया कि एनपीएस की जगह पुरानी पेंशन स्कीम के वादे ने कांग्रेस के चुनाव अभियान को प्रभावशाली बनाने में सबसे प्रमुख भूमिका निभाई है। पिछले आठ-नौ वर्षों में कांग्रेस के लगातार चुनावी पराजयों में रूठे मध्यम वर्ग की सबसे प्रमुख भूमिका रही है। सोनिया गांधी ने उदयपुर संकल्प शिविर में जनता और विशेष रूप से मध्यम वर्ग से संवाद के टूटे तार की बात उठाते हुए भारत जोड़ो यात्रा की घोषणा की थी।कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी की कमान संभालने के दिन ही रूठे मतदाताओं को मनाने में कसर बाकी नहीं रखने का एलान किया था। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान इस पहलू पर खासा फोकस कर रहे हैं। कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा के अंतिम दिन राहुल ने पार्टी की इस रणनीति का साफ संकेत देते हुए 2023 के मार्च-अप्रैल में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पुरानी पेंशन स्कीम को अहम मुद्दा बनाने का एलान किया। राहुल ने साफ कहा कि एनपीएस को खत्म कर पुरानी पेंशन स्कीम लागू करना कांग्रेस के चुनावी वादे में शामिल होगा।पार्टी का मानना है कि पुरानी पेंशन स्कीम के जरिये व्यापक मध्यम वर्ग को साधा जा सकता है। कांग्रेस शासित राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने-अपने राज्यों में एनपीएस की जगह ओपीएस लागू करने का एलान कर चुके हैं। झारखंड में झामुमो-कांग्रेस की गठबंधन सरकार भी राज्य में पुरानी पेंशन स्कीम की राह पर लौट रही है। तमिलनाडु की द्रमुक सरकार ने अभी इस बारे में कोई कदम नहीं उठाया है, मगर उस पर भी ओपीएस की बहाली का सियासी दबाव है।कांग्रेस और उसके गठबंधन वाली सरकारों में पुरानी पेंशन स्कीम को लेकर चल रही इस हलचल के बाद इसमें ज्यादा संदेह नहीं कि 2024 में मध्यम वर्ग को रिझाने के लिए ओपीएस पार्टी के एक प्रमुख चुनावी वादे के रूप में रहेगी। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने पिछले महीने ही राज्य सरकार के कर्मचारियों को एनपीएस की जगह पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ देने का एलान किया। लुभावने वादों के जरिये दिल्ली में 2015 और 2020 में लगातार दो विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी को मिली बड़ी जीत के बाद राजनीतिक दलों के बीच रेवड़ियों के सहारे चुनावी कामयाबी हासिल करने की होड़ बढ़ती जा रही है।जनवरी 2004 से लागू हुई एनपीएस में पेंशन का बोझ सरकार पर नहीं है। कर्मचारी को इसके लिए अपना अंशदान देना पड़ता है और सरकार भी उतनी ही राशि एनपीएस में योगदान करती है। इसमें जमा राशि के आधार पर ही पेंशन तय होता है। पुरानी पेंशन स्कीम में सरकार को ही पूरा पेंशन वहन करना होता है। जाहिर तौर पर इसका बोझ देश की वित्तीय सेहत को प्रभावित करेगा। खासतौर से तब जबकि पेंशनधारियों की संख्या सरकारी नौकरीपेशा से अधिक है। लेकिन कांग्रेस और अधिकतर विपक्षी दल इस मुद्दे को छोड़ना नहीं चाहते हैं।

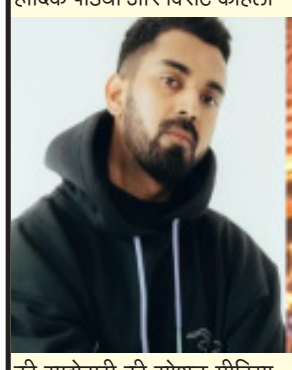

क्रिकेटर केएल राहुल के सपोर्ट में उतरा ये सिंगर, इस चीज पर फोड़ा इंडिया की हार का ठीकरा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप में सेमी फिनाले तक पहुंचकर इंडियन क्रिकेट टीम इंग्लैंड से हार के बाद फाइनल से बाहर हो गई। इंडिया को फाइनल में जगह न मिलने की वजह से फैंस काफी दुखी हैं। लेकिन एक तरफ जहां एक तरफ हार्दिक पांड्या और विराट कोहली निराशा साफ तौर पर जाहिर की। हाल ही में बिग बॉस के एक्स कंटेस्टेंट राहुल वैद्य ने दो ट्वीट किए। पहले ट्वीट में वह केएल राहुल के समर्थन में खड़े दिखाई दिए। उन्होंने लिखा, 'लोग केएल राहुल को ब्लेम कर रहे हैं। हम पूरी तरह से भी बुरे नहीं थे। बात सिर्फ ये है कि उनकी बैटिंग बहुत

की साझेदारी की सोशल मीडिया पर तारीफ हो रही है, तो वहीं दूसरी तरफ केएल राहुल के वर्ल्ड कप में प्रदर्शन को लेकर सोशल मीडिया पर लोग उनकी आलोचना कर रहे हैं और साथ ही उनके मैच में खराब प्रदर्शन का जिम्मेदार आथिया शेट्टी को बता रहे हैं। अब हाल ही में सिंगर राहुल वैद्य क्रिकेटर केएल राहुल के सपोर्ट में सामने आए और उन्होंने इंडियन की हार का जिम्मेदार इस चीज को ठहराया है सोशल मीडिया पर मैच हारने के बाद जहां फरहान अख्तर, अर्जुन रामपाल और अजय देवगन सहित कई सितारे इंडियन टीम का हौंसला बढ़ाते हुए नजर आए। तो वही सोशल मीडिया यूजर्स के अलावा कई सितारों ने इंडिया की हार पर अपनी ही ज्यादा मजबूत थी। हमारे गेंदबाजों ने भी उनके आगे हार नहीं मानी और शानदार खेला' राहुल वैद्य यही पर शांत नहीं हुए, उन्होंने अपने अगले ट्वीट में एक इंडियन क्रिकेट फैन के रूप में अपनी शिकायत सामने रखी। सिंगर ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'लेकिन इंडियन क्रिकेट टीम का एक बड़ा फैन होने के नाते मेरी एक शिकायत है। इंडिया आईसीसी वर्ल्ड टूर्नामेंट में हमेशा हार जाती है। आप चाहे इस बात पर विश्वास करें या ना करें इसकी एक बड़ी वजह आईपीएल है आपको बता दें कि हाल ही में केएल राहुल की आथिया शेट्टी संग एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही थी, जिसमें आथिया इंडियन क्रिकेट टीम के साथ बैठकर खाना खा रही हैं।

आशिका भाटिया को 'मोटी भैंस' कह ट्रोल करते थे लोग, एक्ट्रेस ने रातों-रात घटाया वजन, चौंका देगा ट्रांसफॉर्मेशन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में फैट शेमिंग कोई नई बात नहीं है। लोगों का एक्ट्रेसेस की सोशल मीडिया पोस्ट पर उन्हें मोटा कहकर ट्रोल करना कुछ भी नया रील्स का इंतजार रहता है। हालांकि कि एक्ट्रेस के लिए सोशल मीडिया यूजर्स हमेशा से इतने फ्रेंडली नहीं थे। एक दौर था जब उन्हें 'मोटी, भैंस और फैटसो' जैसे शब्दों से ट्रोल किया जाता था। पर उन्होंने उन्हें ताने मारे कि ये सब ऑपरेशन के जरिए किया गया है। आशिका आज एक सोशल मीडिया सेंसेशन हैं इंस्टाग्राम पर उनके 5.8 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वो कई लोगों के लिए इंस्पिरेशन हैं

नहीं है। कुछ एक्टर्स इससे डील कर लेते हैं तो कुछ ऐसे होते हैं जो हिम्मत हार जाते हैं। ऐसी ही एक कलाकार हैं आशिका भाटिया जिन्हें उनके बढ़े हुए वजन के चलते 'मोटी भैंस' तक कहा गया। एक्ट्रेस ने बताया कि ये सब कमेंट उन्हें इतना इफेक्ट करते थे कि इससे बचने के लिए उन्होंने एक बड़ा फैसला ले लिय टीवी एक्ट्रेस बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली आशिका भाटिया एक सोशल मीडिया सेंसेशन हैं। फैंस को इनकी ट्रेंडिंग इससे हार नहीं मानी और खुद में बदलाव लाने के लिए जुट गईं। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर आशिका ने एक वीडियो शेयर किया था जिसमें उन्होंने बताया है कि, जब वह मोटी थीं, तो उन्हें लोग किस तरह ट्रीट करते थे। एक वीडियो में अपने ट्रांसफॉर्मेशन लुक्स से उन्होंने लोगों को हैरान कर दिया था। इन्होंने बताया कि कैसे फैट टू फैब वाली जर्नी उन्होंने पार की। वैसे आशिका के इस जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के लिए भी लोगों ने जो सोशल मीडिया पर फैट शेमिंग के कारण डिप्रेशन का शिकार हो जाते हैं। आशिका के बारे में बता दें कि उन्होंने 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी', 'मीरा', 'परवरिश.. कुछ खट्टी कुछ मीठी' जैसे सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा उन्हें सलमान खान और सोनम कपूर जैसे स्टार्स के साथ प्रेम रतन धन पायो में भी स्क्रीन शेयर किया है। कुछ दिनों से वो पर्दे से गायब हैं ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने शायद इंडस्ट्री छोड़ दी है।

ये बॉलीवुड एक्ट्रेसेज भी चलाती हैं ब्यूटी बिजनेस

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। दीपिका पादुकोण अब बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शामिल हो गयी हैं, जो फिल्मों में अभिनय करने के साथ रियल लाइफ में किसी बिजनेस से जुड़ी हैं। दीपिका ने अपना सेल्फ केयर ब्रांड लॉन्च किया है, जिसे उन्होंने 82 ईस्ट नाम दिया है। 9 नवम्बर को फिल्म इंडस्ट्री में 15 साल का सफर पूरा कर चुकीं एक्ट्रेस ने यह नाम रखने की वजह का खुलासा भी किया। दीपिका ने इंस्टाग्राम के जरिए अपने इस नये बिजनेस की जानकारी दी। एक्ट्रेस ने लिखा- दो साल पहले

हमने एक आधुनिक सेल्फ केयर ब्रांड को शुरू करने के बारे में सोचा था, जिसका जन्म भारत में हो, लेकिन पूरी दुनिया तक पहुंचे। इसे एटी टु ईस्ट कहा जाता है, हमारा ब्रांड स्टैंडर्ड मैरिडियन से प्रेरित है, जो भारत को दुनियाभर से जोड़ता है।दीपिका ने आगे बताया कि इस ब्रांड को लॉन्च करने का मकसद सेल्फ केयर को हर किसी के लिए सामान्य, मजेदार और असरदार बनाना है। चीजों को खोजने और सीखने की मेरी यात्रा अभी तक दिलचस्प रही है, मैं इसे आपके साथ बांटकर रोमांचित हूं।

कृति सेनन की बहन नूपुर स्विमिंग पूल में बिकिनी पहन एन्जॉय करती आई नजर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कृति सेनन की बहन नूपुर स्विमिंग पूल में बिकिनी पहन एन्जॉय करती नजर आ रही है। उन्होंने तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है, 'यह जगह बहुत खूबसूरत है.. पेंटिंग की तरह।' नूपुर सेनन इन दिनों विदेश में वेकेशन मना रही हैं नूपुर सेनन इन दिनों विदेश में वेकेशन मना रही हैं। अब उन्होंने अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इसमें उन्हें जकूजी का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। वह काफी

रिलैक्स नजर आ रही है। उन्होंने 18 मिनट पहले इंस्टाग्राम पर इसे शेयर किया है, जिसे 100 से ज्यादा कमेंट मिल चुके हैं। इस पर कई लोगों ने हॉट, बिकनी बेबी, हे भगवान, ब्यूटीफुल, एकदम हॉट ब्यूटी और ब्यूटी जैसे कमेंट किए हैं।नूपुर सेनन अक्षय कुमार के साथ गाने में नजर आई थी। इस गाने को काफी पसंद किया गया था। वह जल्द कई फिल्मों में भी नजर आने वाली है।

साउथ स्टार नागा शौर्य जल्द लेंगे सात फेरे, वेडिंग कार्ड के साथ डेट का हुआ खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कृष्ण वृंदा विहारी और लक्ष्य जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय से फैंस का दिल जीतने साउथ सिनेमा

स्टार नागा शौर्य जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो एक्टर बेंगलुरु बेस्ड इंटीरियर डिजाइनर अनुषा एन शेट्टी के साथ सात-फेरे लेंगे। तेलुगु स्टार नागा शौर्य की शादी के कार्ड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उनकी शादी की हर एक डिटेल्स शेयर की गई है। इस वीडियो में डिजिटल कार्ड में ये बताया गया है कि नागा और अनुषा की शादी कब और कहां धूमधाम से होने वाली है। नागा शौर्य ने इस डिजिटल वेडिंग कार्ड को नागा शौर्य यूनिवर्स नाम के फैन क्लब ने शेयर किया है। कार्ड में ये बताया गया कि साउथ स्टार इंटीरियर डिजाइनर अनुषा एन शेट्टी के साथ 20 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगे। दोनों की शादी का समारोह बेंगलुरु के जेडब्ल्यू मैरियट में होगा। 19 नवंबर को उनकी शादी का प्रोग्राम शुरू होगा, जिसमें हल्दी, मेहंदी और संगीत शामिल है। वेडिंग कार्ड में इन दोनों की शादी के ड्रेस कोड भी किए गए हैं। 19 तारीख के बाद 20 तारीख को ये कपल पूरे रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लेकर हमेशा के लिए एक-दूसरे का हाथ थामेगा। साल 2011 से तेलुगु फिल्म 'क्रिकेट' के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाले नागा शौर्य फिल्मों में आने से पहले टेनिस प्लेयर थे। हालांकि हमेशा से ही उनकी रूचि एक्टिंग में थी।

रोती-गिड़गिड़ाती रहीं अर्चना गौतम पर नहीं पसीजा शिव ठाकरे का दिल, बिग बॉस 16 से हुईं बाहर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बिग बॉस 16 में वीकेंड का वार काफी धमाकेदार रहा। शो में इतनी लड़ाई हुई कि सारी हदें पार हो गईं। एक मामूली टिशू को लेकर शुरू हुआ विवाद हाथापाई तक पहुंच गया। शिव और अर्चना के बीच बात इस कदर बिगड़ गई कि नौबत हिंसा की आ गई। अर्चना ने गुस्से में शिव का गला पकड़ लिया और उन्हें शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। हालांकि अर्चना रोती-गिड़गिड़ाती रहीं कि प्लीज मुझे मत निकालो लेकिन शिव को तरस नहीं आया। हुआ ये कि टीना ने बाथरूम एरिया में सफाई रखने के लिए कुछ टिशू पेपर रख दिए थे। जिसके बाद घर में हंगामा शुरू हो गया। इस बीच शिव ठाकरे ने अर्चना की पार्टी और दीदी को लेकर कमेंट करना शुरू कर दिया। बता दें कि अर्चना कांग्रेस

पार्टी की नेता हैं और प्रियंका गांधी को दीदी कहती हैं। शिव बार-बार उन्हें बोल रहे थे कि बुलाओ अपनी दीदी को। अर्चना हर बार यही कह रही थी कि प्लीज मेरी दीदी को कुछ मत कहिए लेकिन शिव नहीं माने। शिव नहीं मानते और दोनों के बीच का झगड़ा और भी बढ़ जाता है। इसी घमासान में अर्चना खुद पर कंट्रोल नहीं रख पाईं और शिव की गर्दन पकड़ लेती हैं। इस लड़ाई में शिव के गले पर खरोंचे आ गई। बिग बॉस, ये फैसला शिव ठाकरे पर छोड़ते हैं कि उन्हें अर्चना को घर से निकालना है या एक मौका और देना है। इस पर शिव खुद पर हिंसा किए जाने के खिलाफ अर्चना को घर से निकाल देने का फैसला करते हैं। अर्चना रोती-गिड़गिड़ाती बिग बॉस और शिव से हाथ जोड़कर माफी मांगती हैं लेकिन शिव का दिल नहीं पसीजता है। सोशल मीडिया पर इसे लेकर मिक्सड रिएक्शन आ रहे हैं। किसी का कहना है कि अर्चना को उकसाया गया ऐसा करने के लिए तो किसी का कहना है कि अगर शिव ऐसा करते अर्चना के साथ तो ये होता कि महिला पर हाथ उठाया, तो ये बिल्कुल सही फैसला है।

अमिताभ बच्चन की ऊंचाई देख रितेश देखमुख और तनीषा हुए इमोशनल वरुण शर्मा के निकले आंसू

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर बोमन ईरानी की फिल्म 'ऊंचाई' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी इस फिल्म के चर्चे काफी समय से हो रहे हैं। बुधवार को को भी फिल्म से प्यार हो गया, और उन्होंने लिखा, क्या अद्भुत कलाकार हैं, एक फ्रेम में बिल्कुल अमेजिंग कलाकार और क्या अमेजिंग विचार है। आज रिलीज हो रही हैं के लिए शुभकामनाएं। बोमनिरानी वरुण शर्मा ने कहा कि

अनुपम खेर ने सेलेब्स के लिए फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी थी। रितेश देशमुख और दर्शन कुमार जैसे एक्टर्स ने फिल्म देखने के बाद सोशल मीडिया पर अपना प्यार बरसाया है और बताया कि फिल्म देखकर उन्होंने कैसा लगा। रितेश देशमुख ने अपने ट्विटर पर लिखा, 'कल रात क्षऊंचाई देखी। अब तक की बेस्ट राजश्री फिल्म। सूरज जी एक असाधारण निर्देशक हैं जो दर्शकों के दिलों को छूना जानते हैं और उन्होंने इसे फिर से साबित किया है।˘ श्री बच्चन जी काफी शानदार रहे। नीना जी, सारिका जी बहुत अच्छा काम किया है काजोल की बहन तनीषा मुखर्जी वह फिल्म के दौरान हंसे और रोए। उन्होंने लिखा, ठक्षऊंचाई साल की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है !! इस तरह के शानदार अभिनय के साथ इतनी भावपूर्ण फिल्म। इसे आज स्क्रीनिंग पर मां के साथ देखा और हम दोनों हंसे..रोए..पूरी तरह से इमोशनल हो गए बता दें कि आज यानी 11 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई ऊंचाई को सामंथा रूथ प्रभु की 'यशोदा', आदित्य सील की 'रॉकेट गैंग और इम्तियाज अली की 'थाई मसाज' से कड़ी टक्कर मिल रही है। हालांकि ऊंचाई में अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गज कलाकारों के होने से दर्शकों में इसे लेकर काफी क्रेज है।

एस एस राजामौली की आरआरआर से लेकर यामी गौतम की 'लॉस्ट' तक

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इंडियन सिनेमा के सबसे बड़े फिल्म फेस्टिवल में से एक घ्इइघ् का हर किसी को बेसब्री से इंजतार है। साल 2022 में इस फेस्टिवल का आगाज गोवा में होने वाला है। 53वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल इंडिया की शुरुआत 20 नवंबर को होगी और 8 दिनों तक यानी कि 28 तारीख तक ये फेस्टिवल चलेगा। 53वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल इंडिया में हिंदी सहित अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों का प्रीमियर किया जाएगा। किन-किन फिल्मों की स्क्रीनिंग इस फिल्म फेस्टिवल में होगी यहां देखें पूरी लिस्ट। 53वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल इंडिया महोत्सव में जिन फिल्मों का प्रीमियर होगा उसमें हिंदी के साथ-साथ साउथ की फिल्में भी शामिल हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने हाल ही में एक ट्वीट किया और गोवा में होने वाले इस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होने वाली फिल्मों की स्क्रीनिंग पूरा अपडेट दिया। इस फेस्टिवल में 20 से 28 तारीख तक गोवा में 25 फीचर और 20 नॉन फीचर फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बंगाली फिल्म महानंदा, हिंदी फिल्म थ्री ऑफ अस, द स्टोरीटेलर, मेजर, सिया सहित 20 फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी। 53वें आईएफएफआई फिल्म फेस्टिवल में मेन स्ट्रीम सिनेमा सेक्शन में जिन फिल्मों को शामिल किया गया है, उसमें विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स, एस एस राजामौली

की फिल्म आरआरआर, बंगाली फिल्म टॉनिक, तेलुगु फिल्म अखंड और मराठी फिल्म धरमवीर..मुकाम शामिल हैं। इसके अलावा यामी गौतम की फिल्म 'लॉस्ट' की भी गोवा में इस फिल्म फेस्टिवल के दौरान स्क्रीनिंग की जाएगी। जिसके बारे में खुद यामी ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। इसके अलावा इस लिस्ट में 20 नॉन फीचर फिल्में शामिल है, जिसमें हिंदी के अलावा इंग्लिश, कन्नड़, मलयालम और मणिपुरी सहित अन्य भाषाओं की फिल्में शामिल हैं।

बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ती नजर आई 'मिली' 7 दिनों में हुआ फिल्म का बुरा हाल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। जाह्नवी कपूर की फिल्म मिली को रिलीज हुए सात दिन पूरे हो चुके हैं। इस एक हफ्ते में इस फिल्म का जादू कुछ खास दर्शकों पर नहीं चल पाया है। 'मिली' कहानी को लेकर कम और खराब कलेक्शन को लेकर ज्यादा चर्चा में है। जी हां, यह फिल्म टिकट विंडो पर दर्शकों के आगमन के लिए तरस गई है। फिल्म 'गुड लक चेरी' के बाद फैंसी सिनेमाघरों में जाह्नवी के आगमन के लिए तरस गए थे। ओटीटी पर रिलीज हुई 'गुड लक चेरी' में जाह्नवी कपूर के अभिनय की दर्शकों ने खूब तारीफ की थी। इसके बाद मेकर्स को उम्मीद थी कि 'मिली' के जरिये जाह्नवी दर्शकों के थिएटर में ला पाने में कामयाब होंगी, लेकिन फिल्म के कलेक्शन अलग ही कहानी बता रहे हैं। फिल्म मिली की ओपनिंग कुछ खास नहीं रही। चार नवंबर को रिलीज हुई फिल्म ने पहले दिन 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया। वहीं, दूसरे और तीसरे दिन फिल्म को वीकेंड का फायदा मिलता दिखा। शनिवार

और रविवार की छुट्टी में फिल्म के कलेक्शन में कुछ इजाफा देखने को मिला। दूसरे दिन यानी कि पांच को फिल्म ने 62 लाख रुपये का कलेक्शन किया। तीसरे दिन मूवी ने दो करोड़ की और कमाई की यानी कि कुल कमाई 64 लाख रुपये की हुई। मगर इसके बाद फिल्म एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ती नजर आई। चौथे दिन फिल्म का कलेक्शन 35 लाख के आसपास ही सिमट कर रह गया। पांचवे दिन (गुरु नानक जयंती के दिन) हॉलिडे के बावजूद फिल्म को कमाई के मामले में थोड़ा भी फायदा मिलते नहीं देखा गया। पांचवे दिन तक फिल्म का कुल कलेक्शन 2.43 करोड़ पर बंद हुआ क्योंकि 'मिली' ने इस दिन महज 34 लाख की कमाई की। छठे दिन 'मिली' के कलेक्शन में एक बार फिर गिरावट देखने को मिली। छठे दिन फिल्म ने 27 लाख का कारोबार किया। अब सातवें दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने सातवें दिन 25 लाख तक की कमाई की है। यानी कि एक हफ्ते में मिली ने 2.91 करोड़ का बिजनेस किया है। 30 करोड़ के बजट पर बनी फिल्म एक हफ्ते में तीन करोड़ का आंकड़ा भी नहीं छू पाई है। बता दें कि 'मिली' बोनी कपूर द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म है। इसकी कहानी मिली नौडियाल नाम की लड़की की जिंदगी पर आधारित है, जो एक दिन फ्रीजर में बंद हो जाती है। वह चीखती है, चिल्लाती है लेकिन कोई उसकी मदद के लिए आगे नहीं आ पाता क्योंकि किसी तक उसकी आवाज ही नहीं पहुंच पाती।

मुद्दा है अच्छा लेकिन कहानी वीक, कन्फ्यूज कर देगी दिव्येंदु शर्मा और गजराज राव की फिल्म

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बुजुर्गों के नजरिए से बनीं फिल्मों में निर्देशक मंगेश हाडवले निर्देशित थाई मसाज भी शामिल हो गई है। फिल्म की कहानी शुरू होती है उज्जैन में रहने वाले आत्माराम दुबे (गजराज राव) से, जो बैंक में टाइपिस्ट थे। अब रिटायर होकर घर के कामों में हाथ बंटाने के साथ ही टाइपराइटर से स्केच बनाना सिखाते हैं। उनका अपना ब्लॉग भी है। उनका पूरा परिवार उनसे 70वें जन्मदिन की पार्टी के लिए घर पर जमा है। बच्चों की मस्ती में आत्माराम की पत्नी की फोटो फ्रेम गिरकर टूट जाती है। उस फ्रेम के पीछे आत्माराम का पासपोर्ट चिपकाया हुआ है। पासपोर्ट में थाईलैंड का विजा और विदेशी महिला के साथ उनकी तस्वीर

मिलती है। तीन साल पहले आत्माराम परिवार से तीर्थयात्रा का बहाना करके थाईलैंड चले गये थे। आत्माराम की पत्नी लंबे समय तक बीमार रहने के बाद एक साल पहले ही गुजरी है। आत्माराम की अंतरंग इच्छाएं अधूरी हैं। वह एक बार यौन संबंध बनाना चाहता है, लेकिन वह इरेक्टाइल डिसफंक्शन (यौन संबंधी रोग) से पीड़ित है। इलाज के लिए संतुलन कुमार (दिव्येन्दु) उसे एक पहलवान के पास ले जाता है, जो 85 की उम्र में बच्चा पैदा करके रिकॉर्ड बना चुका है। उसके बताये नुस्खे को आजमाकर आत्माराम अपनी अंतरंग इच्छाएं पूरी करने के लिए थाईलैंड पहुंचता है। फिल्म की कहानी, पटकथा और निर्देशन तीनों का जिम्मा मंगेश हाडवले ने उठाया है। उन्हें अपनी फिल्मों चलो जीते हैं और देख इंडियन सर्कस के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है, लेकिन उनकी यह फिल्म निराश करती है। एक बुजुर्ग के नजरिए से उसकी दबी इच्छाओं पर बात करने का उनका प्रयास अच्छा है, लेकिन उसे दर्शाने का तरीका ऊबाऊ है। आत्माराम के चरित्र को छोड़कर फिल्म के बाकी चरित्रों पर मंगेश ने ध्यान देना जरूरी नहीं समझा। संतुलन कुमार का चरित्र, फिल्म में क्यों है, कहां से टपक पड़ता है, पत्नी से उसकी क्यों अनबन है, वह आत्माराम की मदद या उसका मजाक क्यों बना रहा है, उसके पीछे कोई कारण स्पष्ट नहीं है। बेटे का पिता की इच्छाओं के बारे में पता चलने के बाद नाराज होना और फिर बैकग्राउंड में चल एक लंबे से संवाद को बोलते हुए उसकी समस्या को समझ लेना पचता नहीं है। इरेक्टाइल डिसफंक्शन की समस्या को प्याज खाकर ठीक करने वाला प्रसंग बेहद बचकाना लगता है। इस बीमारी से जूझ रहे लोगों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने की आवश्यकता थी। जीवनसाथी के बिना बुढ़ापे के अकेलेपन, मन में यौन संबंध की प्रबल इच्छा को समाज के डर से दबाए रखने वाले बुजुर्ग का चरित्र शिद्दत से निभाया है। वह फिल्म में हंसाते जरूर हैं, लेकिन भावुक दृश्यों में रुलाते नहीं हैं। संतुलन का चरित्र ही आधा-अधूरा है, तो दिव्येन्दु भला कहां तक अपने अभिनय से उसे संभाल पाते। राजपाल यादव जैसे कॉमेडी में माहिर कलाकार का प्रयोग मंगेश नहीं कर पाए। फिल्म कई जगहों पर खटकती है, जैसे आत्माराम का अपना ब्लॉग है, लेकिन कंप्यूटर पर अंतरंग वीडियो को शुरू करने के बाद वह उसे बंद नहीं कर पाता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।